दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-146, भोपाल, रविवार 10 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"वह एकमात्र स्थान जहां कामयाबी मेहनत से पहले आती है, वह शब्दकोश है।"
- विडाल सैस्सून

रायपुर में 2 दिन बारिश का अलर्ट

बंगाल की खाड़ी से उठी ठंडी हवाओं का अंधड़, राजधानी, दुर्ग समेत कुछ जिलों में हो सकती है बरसात

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम बदला है। इस बार दक्षिण से आ रही ठंडी हवाओं ने यह बदलाव किया है। इसकी वजह से बस्तर, दुर्ग और रायपुर संभाग के कुछ जिलों में बरसात भी हुई है। मौसम विज्ञानियों का कहना है, शनिवार-रविवार को राजधानी रायपुर और आसपास के इलाकों में भी बरसात की संभावना बन रही है। शुक्रवार की शाम रायपुर और आसपास के जिलों में तेज ठंडी हवा का अंधड़ उठा। रात भर ठंडी हवा जारी रही। आसमान में घने बादल भी छा गए। इस बीच बस्तर के कुछ स्थानों पर मध्यम से हल्के स्तर की बरसात भी हुई। दुर्ग और रायपुर संभाग के कुछ जिलों में भी हल्की बरसात हुई है। रायपुर में शनिवार दोपहर को भी 9.3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली पछुआ हवा चल रही है। इसमें 38त्न नमी है। रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया, गर्मी के दिनों में एक सामान्य स्थिति बनती है कि समुद्र तल पर उच्च दाब का क्षेत्र बनता है और मैदानी इलाकों में निम्न दाब का। हवा का स्वभाव है कि वह उच्च दाब से निम्न दाब की ओर बहती है। इसकी वजह से छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से दक्षिणी हवा तेजी से आ रही है। यह हवा ठंडी है और इसमें नमी की मात्रा भी है। दूसरी ओर उत्तर की ओर से सूखी और गर्म हवाओं का आना जारी है। मध्य छत्तीसगढ़ में ये हवाएं टकरा रही हैं। ऐसे में अनियमित अंधड़ जैसी स्थिति बन रही है।

ऐसे बदला है तापमान

मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा का कहना है, बंगाल की खाड़ी से आ रही हवाओं का प्रभाव दक्षिण-मध्य छत्तीसगढ़ के इलाकों पर है। इसकी वजह से इन इलाकों में अपेक्षाकृत गर्मी से राहत महसूस हो रही है। उत्तर छत्तीसगढ़ के इलाकों में तापमान अभी भी काफी गर्म है। शुक्रवार को अंबिकापुर-पेण्ड्रा रोड जैसे क्षेत्रों में दोपहर का तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस अधिक मापा गया। वहीं रायपुर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार दोपहर में रायपुर का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के करीब तक पहुंचा है।

सोमवार के बाद बढ़ेगी गर्मी

मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि मौसम में दक्षिणी हवाओं का असर अगले दो दिनों तक रहेगा। यानी 11 अप्रैल से मौसम एक बार फिर करवट बदलेगा। इसके बदलने से अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी। दिन और रात के तापमान का अंतर घटेगा। इसकी वजह से लू जैसी स्थिति बनेगी। लू लगने की आशंका बढ़ जाएगी। पिछले 10 सालों में तीन बार अप्रैल महीने में यहां का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो चुका है।

प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास ने देश के कानूनी और नियामक परिदृश्य की जटिलता बढ़ाई: सीजेआई

नईदिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने शनिवार को चिंता व्यक्त करते

हुए कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के कारण देश के कानूनी और नियामक परिदृश्य में भी जटिलता बढ़ गई है। दिन-ब-दिन बढ़ती तकनीकी लोगों का दैनिक जीवन सुविधाजनक बना रखी है। लेकिन आधुनिक तकनीकी को समझना उसके हिसाब से कार्य करना अपने आप में एक बड़ी चुनौती भी है। यही चुनौती देश की लीगल एंड रेगुलेटरी परिदृश्य में एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। सीजेआई एनवी रमना ने एकता नगर, नर्मदा, गुजरात में मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के परिणामस्वरूप देश के कानूनी और नियामक परिदृश्य में भी जटिलता बढ़ गई है। उदाहरण के लिए, क्रिप्टोकुरेंसी, डेटा सुरक्षा, एन्क्रिप्शन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी विकास ने न्यायालयों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उपन्यास मुद्दों के साथ जोड़ने का कारण बना दिया है।

कर्नाटक के दो पूर्व सीएम समेत 64 को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पूर्व सीएम एच.डी. कुमारस्वामी और प्रसिद्ध साहित्यकार के.वीरभद्रप्पा समेत 64 लोगों को सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। वायरल हो रहे इस संदेश में लिखा है, ÷मौत तुम्हारे सिर पर मंडरा रही है, मरने के लिए तैयार रहो। संदेश देने वाले शख्स ने खुद को सहिष्ना हिंदू (सहिष्णु हिंदू) बताया है। अपने संदेश में शख्स ने लिखा है- तुम विनाश के पथ पर हो। मौत तुम्हारे बहुत करीब है। अब तैयार रहो। मौत किसी भी रूप में तुम्हे चौंका सकती है। अपने परिवार के सदस्यों को सूचित करो और अपने अंतिम संस्कार की व्यवस्था कर लो। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने सरकार को इस तरह की धमकियों को हल्के में नहीं लेने की चेतावनी दी है। उन्होंने सत्तारुढ़ भाजपा से प्रगतिशील विचारक और लेखक के. वीरभद्रप्पा और राज्य में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर सरकार की चुप्पी का विरोध करने वाले अन्य लेखकों को भी सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया है।

कोवीशील्ड और कोवैक्सिन की घटी कीमत, अब 225 रुपए में लगेगी डोज

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनियों ने शनिवार को इनकी कीमत घटाने की घोषणा की। अब निजी अस्पतालों में इन दोनों ही वैक्सीन की एक डोज 225 रुपए में लगेगी। इससे पहले निजी अस्पतालों में कोवीशील्ड की एक डोज 600 रुपए और कोवैक्सिन की 1200 रुपए में मिल रही थी। कीमतों में कमी की घोषणा सभी व्यस्क नागरिकों को प्रिकॉशन डोज लगाए जाने का फैसला होने के बाद की गई है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि 18+ उम्र वाले सभी नागरिकों को निजी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लगाई जाएगी। शुक्रवार को कोवीशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अदार पूनावाला ने सरकार के इस कदम की तारीफ की और एक ट्वीट में वैक्सीन की

कीमत कम करने की घोषणा कर दी। पूनावाला ने कहा कि उनकी कंपनी निजी अस्पतालों में एक डोज के लिए 600 रुपए के बजाय 225 रुपए लेगी। उधर, कोवैक्सिन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक की जॉइंट एमडी सुचित्रा एल्ला ने भी वैक्सीन की कीमत 1200 रुपए से घटाकर 225 रुपए करने की घोषणा एक ट्वीट में की है।

शनिवार को कोविशील्ड और कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर खुराकों के दामों में भारी कटौती की है। पहले जहां कोविशील्ड की बूस्टर डोज 600 रुपए प्रति शॉट फिक्स की थी, आज इसकी कीमत 225 रुपए किया गया है वहीं, कोवैक्सीन की बूस्टर डोज की कीमत भी 225 रुपए प्रति शॉट किया गया है। इससे पहले कोवैक्सीन ने अपनी बूस्टर डोज की कीमत 1200 रुपए प्रति शॉट निर्धारित किया था। गौरतलब है कि इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आज 18-59 आयु वर्ग के लिए बूस्टर डोज यानी एहतियाती खुराक के संबंध में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी स्वास्थ्य सचिवों के साथ बैठक की।

इस बैठक में सरकार ने कहा है कि निजी टीकाकरण केंद्र टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में अधिकतम 150 रुपये तक ही चार्ज कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने 10 अप्रैल से निजी केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को कोरोना टीके की एहतियाती खुराक यानी बूस्टर डोज देने का फैसला किया है। जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लगवाए हुए नौ महीने हो गए वे इसके लिए पात्र होंगे। सरकारी सूत्रों ने कहा, जल्द ही कोविन वेबसाइट पर इसके लिए बुकिंग स्लॉट भी शुरू किए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्विटर पर कहा, कोरोना के ख़िलाफ लड़ाई अब और मज़बूत होगी।

बूस्टर डोज के लिए नहीं कराना होगा नया रजिस्ट्रेशन

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आज 18-59 आयु वर्ग के लिए बूस्टर डोज यानी एहतियाती खुराक के संबंध में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी स्वास्थ्य सचिवों के साथ बैठक की। इस बैठक में सरकार ने कहा है कि निजी टीकाकरण केंद्र टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में अधिकतम 150 रुपये तक ही चार्ज कर सकते हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि एहतियात की खुराक उसी टीके की होगी जिसका इस्तेमाल पहली और दूसरी खुराक के लिए किया गया था। साथ ही बूस्टर डोज के लिए अलग से रजिस्ट्रेशन की आवश्यक्ता नहीं होगा। सरकार का कहना है कि सभी लाभार्थी पहले से ही कोविन पर पंजीकृत हैं। केंद्र सरकार ने 10 अप्रैल से निजी केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी लोगों को कोरोना टीके की एहतियाती खुराक यानी बूस्टर डोज देने का फैसला किया है। जिन्हें टीके की दूसरी खुराक लगवाए हुए नौ महीने हो गए वे इसके लिए पात्र होंगे।

मोदी 14 को करेंगे प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी दिल्ली में बनाए गए प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन 14 अप्रैल को करेंगे। इस संग्रहालय में देश के पिछले सभी प्रधानमंत्रियों के कार्यों और योगदान का प्रदर्शन किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्राप्त किए गए उन कई उपहारों को भी यहां प्रदर्शित किया जाएगा, जो अभी तक नेहरू म्यूजियम का हिस्सा नहीं हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन होगा। संग्रहालय पीएम मोदी का एक समावेशी प्रयास है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को हमारे सभी प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व, दूरदृष्टि और उपलब्धियों के बारे में जागरूक और प्रेरित करना है। प्रधानमंत्री संग्रहालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने सभी पूर्ववर्तियों के योगदान को स्वीकार करने का एक प्रयास है, चाहे फिर उनकी विचारधारा अलग ही क्यों ना हो। यह संग्रहालय भारत के स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण से शुरू होकर कैसे प्रधानमंत्रियों ने विभिन्न चुनौतियों के माध्यम से देश का नेतृत्व किया और देश की सर्वांगीण प्रगति सुनिश्चित की इसकी कहानी बताता है। प्रधानमंत्री संग्रहालय की इमारत का कुल क्षेत्रफल 10,491 वर्ग मीटर है।

यूपी प्रभारी ने जब्त करा दी कांग्रेस की जमानत: स्मृति ईरानी

अमेठी, एजेंसी। केन्द्रीय महिला तथा बाल कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को अमेठी आकर उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य चुनाव के लि मतदान किया। स्मृति ईरानी अमेठी के गौरीगंज ब्लाक पर विधान परिषद सदस्य के भाजपा प्रत्याशी शैलेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मतदान करने पहुंची थीं।

मतदान के बाद उन्होंने मीडिया को भी संबोधित किया। स्मृति ईरानी ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार का सीधा जिम्मेदार प्रियंका गांधी वाड्रा को बताया। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई। इनको तो इस बार विधान सभा चुनाव में लोकसभा से भी कम वोट मिले हैं। केन्द्रीय मंत्री ने इस दौरान यह भी

कहा कि अमेठी तो धीरे- धीरे कांग्रेस मुक्त हो रही है। स्मृति ईरानी ने कहा कि विधान सभा चुनाव में प्रियंका के नेतृत्व में अमेठी के साथ पूरे प्रदेश में कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई। लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस को जहां चार लाख के करीब वोट मिले थे, वही विस चुनाव में यह संख्या एक लाख के आसपास पहुंच गई। तीन विधान सभा सीट पर कांग्रेस की बुरी हार हुई है। अब तो अमेठी भी धीरे- धीरे कांग्रेस मुक्त हो रही है। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पूर्व सांसद ने अमेठी की जनता को छला है। जनता अब सब जान चुकी है। आज वह मैंने अमेठी के सर्वांगीण विकास व सम्मान के लिए वोट किया है। सब मिलकर अमेठी व देश का विकास करेंगे। अमेठी विधान परिषद चुनाव में शनिवार को इतिहास बना। अमेठी में पहली बार अमेठी के सांसद ने विधान परिषद के चुनाव में मताधिकार का प्रयोग किया। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने यहां पर अपना वोट डाला। स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर तंज कसा और कहा कि इतिहास गढने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है।

गृहमंत्री ने वंसुधरा राजे से की सौजन्य भेंट

दतिया। मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को श्री पीतांबरा पीठ ट्रस्ट की अध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया से सौजन्य भेंट की। डॉ. मिश्रा ने उन्हें 4 मई को प्रस्तावित माई की शोभायात्रा की तैयारियों से अवगत करवाया और आयोजन में अपनी गरिमामय उपस्थिति के लिए आमंत्रित किया। इस मौके पर चर्चा के दौरान पूर्व मंत्री माया सिंह भी मौजूद रहीं।

मायावती को गठबंधन करने और मुख्यमंत्री बनने का दिया ऑफर, उन्होंने बात तक नहीं की: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को बसपा प्रमुख मायावती पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मायावती ने चुनाव ही नहीं लड़ा। राहुल ने कहा, हमने ए। उन्होंने बात तक नहीं की। जिन लोगों ने अपना खून, पसीना देकर उत्तर प्रदेश में दलितों की आवाज को जगाया। आज मायावती कहती हैं कि मैं उस आवाज के लिए नहीं लडूंगी। दिल्ली में एक किताब के विमोचन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, देश ने मुझे सिर्फ प्यार ही नहीं दिया है, बल्कि जिस हिंसा के साथ इस देश ने मुझे मारा-पीटा है, मैंने सोचा कि यह क्यों हो रहा है? और जवाब मिला कि देश मुझे सिखाना चाहता है। देश मुझे कह रहा है कि तुम सिखो, समझो।

राहुल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान आरएसएस के कब्जे में हैं। राहुल गांधी ने कहा, हमें संविधान को बचाना पड़ेगा। संविधान को बचाने के लिए हमें संस्थानों की रक्षा करनी पड़ेगी। लेकिन सभी संस्थान आरएसएस के नियंत्रण में हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, यहां नेता हैं, जो सत्ता के पीछे लगे हुए हैं। वे हमेशा सत्ता हासिल करने के बारे में सोचते रहते हैं...

अब उसमें मेरी एक परेशानी आ गई, मैं सत्ता के एकदम बीच में पैदा हुआ, लेकिन सच कहता हूं मुझे इसमें दिलचस्पी नहीं है। इसके बजाए मैं देश को समझने की कोशिश करता हूं।

ऊना में दलित के साथ हुई हिंसा पर भी बोले राहुल

राहुल ने गुजरात के ऊना में दलित नौजवानों के साथ हुई हिंसा के बारे में बताया- जब मैं पीड़ितों से मिला तो मैंने उनके पिता का हाथ थामा। उनका हाथ कांप रहा था। मैंने उनसे कहा कि मैं आपके साथ हूं। उस समय उन्होंने बताया कि राहुल जी पहली बार दलितों ने रिस्पॉन्स दिया। मैंने सोचा यह कैसा रिस्पॉन्स की 17 लड़कों ने आत्महत्या करने की कोशिश की। राहुल ने आगे कहा- इसके बाद मैंने आईसीयू पहुंच कर पीड़ितों से बात की। उन्होंने बताया कि राहुल जी हमें जब पता चला की हमारे भाई से मारपीट हुई है तो हमने गुस्से में जहर पी लिया। मैंने उनसे साफ कहा कि मेरी बहन को किसी ने बांध कर कुत्ते जैसे मारा होता तो आत्महत्या करने से पहले एक बार उसे चाकू जरूर मारता। दरअसल, गुजरात के ऊना में 11 जुलाई, 2016 को कथित गोवध के लिए तथाकथित गोरक्षा दल ने कुछ दलित युवकों की पिटाई की गई। इसके विरोध में 17 दलित युवकों ने आत्महत्या की कोशिश की। दलितों ने गोवध से इनकार किया था और कहा था कि उन्होंने सिर्फ एक मृत गाय की चमड़ी निकाली थी।

न्यूज ब्रीफ

आयुष्मान भारत योजना में प्रदेश के 13 लाख से अधिक पात्र हितग्राहियों का निःशुल्क उपचार

भोपाल। आयुष्मान भारत योजना में सभी बीमारियों का निःशुल्क इलाज किया जाता है, योजना का ऑनलाइन तंत्र बहुत सुदृढ़ है। इसमें हितग्राही द्वारा की गई शिकायत का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर न्यायोचित समाधान किया जाता है। वर्तमान में आयुष्मान भारत योजना में 1000 चिकित्सालय सम्बद्ध हैं, जिसमें 527 निजी चिकित्सालय, 473 शासकीय चिकित्सालय एवं मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। योजना में अभी तक लगभग 13 लाख से अधिक मरीजों का इलाज किया गया है। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत योजना में पात्र हितग्राहियों एवं उनके परिवारों को 5 लाख रूपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया जाता है।

शिकायत के लिए टोल-फ्री नम्बर:- योजना से सम्बद्ध चिकित्सालय द्वारा पात्र हितग्राही से उपचार के लिए राशि की मांग की जाती है, तो हितग्राही सीधे अधिकृत टोल-फ्री नम्बर 14555 एवं 18002332085 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही योजना के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। टोल-फ्री नम्बर पर 28 फरवरी, 2022 तक 519 शिकायतें प्राप्त हुई है। इन शिकायतों पर भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर और उज्जैन संभाग के 76 निजी चिकित्सालयों पर कार्यवाही की गई।

मंत्री सुश्री ठाकुर से पर्वतारोही मेघा परमार की भेंट

भोपाल । संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर पर्वतारोही सुश्री मेघा परमार ने मंत्री निवास पर भेंट की। मंत्री सुश्री ठाकुर ने सुश्री मेघा का तिलक और पुष्पहार से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर भावी लक्ष्य के लिए शुभकामनाएँ भी दी। मंत्री सुश्री ठाकुर ने सुश्री मेघा द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान में किये जा रहे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। साथ ही प्रदेश के स्थानीय पर्यटन स्थल और संस्कृति का प्रचार करने का आग्रह किया। मंत्री सुश्री ठाकुर ने सुश्री परमार के सामाजिक क्षेत्र के अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड एंबेसडर सुश्री मेघा परमार प्रदेश की पहली महिला पर्वतारोही है, जिन्होंने दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह किया है।

जय श्रीराम लिखने पर भोपाल में मुस्लिम को पीटा

भाजपा विधायक की पोस्ट पर कमेंट किया, समुदाय ने कहा गद्दार

घर में तोड़फोड़, पत्नी, बेटी को भी पीटा

भोपाल

भोपाल में भाजपा विधायक की फेसबुक पोस्ट के कमेंट में जय श्रीराम लिखने पर मुस्लिम शख्स को उसके समुदाय के लोगों ने पीट दिया। पत्नी को भी पीटा और चार साल की बेटी को उठाकर पटक दिया। उसे कौम का गद्दार भी कहा। उसके घर में तोड़फोड़ कर दी। घटना कोकता में रहने वाले मुनव्वर अंसारी के साथ हुई। मुनव्वर पेशे से कारपेंटर है। उसका कहना है कि वह भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा का समर्थक है। विधायक की पोस्ट पर जय श्रीराम के कमेंट और लाइक करने पर उसके साथ मारपीट की गई।

अपने समर्थक के साथ हुई इस घटना के बाद विधायक ने बिलखिरिया थाना प्रभारी को कार्रवाई के लिए कहा है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी, लेकिन किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी। झड्ढ ने

बताया कि मुनव्वर भी थाने गया था, लेकिन उसने शिकायती आवेदन नहीं दिया।

आरोपियों ने मोहल्ले में कहा- कौम के साथ गद्दारी कर रहा मुनव्वर

मुनव्वर के पड़ोसी सोहेल अहमद ने उसका कमेंट पढ़कर मोहल्ले में यह बात फैला दी कि वह हिंदूवादी नेताओं का साथ देता है। वह कौम के साथ गद्दारी कर रहा है। मोहल्ले की रहमत मस्जिद में आरोपियों ने उसे सबक सिखाने का फैसला लिया। बुधवार शाम 7 बजे सारिक अंसारी, सुलेमान, सोहेल अहमद समेत 15 लोग उसके घर में घुस आए। उसकी पत्नी को भी पीटा गया। घर के बर्तन फेंक दिए। बोले- अब बुला लो बजरंग दल वालों को...। मुनव्वर के बेटे ने डायल-100 को सूचना दी। पुलिस मोहल्ले में आई, लेकिन उसके घर नहीं आई। सोहेल के ऑफिस में चाय पीकर चली गई।

चार साल की बेटी तक को नहीं बख्शा

मुनव्वर के दो बेटे और चार साल की बेटी शिरीन है। उसका कहना है कि मोहल्ले के लोगों ने उसकी चार साल की बेटी तक को नहीं छोड़ा। उसे भी उठाकर पटक दिया। उसे पैर से कुचलने का प्रयास किया। अब आरोपी मोहल्ला छोड़ने के लिए धमका रहे हैं। वह धमकी दे रहे कि मोहल्ले में रहना मुश्किल कर देंगे।

जय श्रीराम बोलने वाले को कोई डांट भी देगा तो एक्शन होगा

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- यह राम का देश है। जय श्रीराम सबको बोलना है, आज नहीं तो कल। राम का जय-जयकार रोके नहीं रुकने वाला है। मारपीट करने वाली घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बदतमीजियां बंद करो। जय श्रीराम लिखा भी जाएगा और जय श्रीराम बोलने वाले को कोई डांट भी देगा तो भी एक्शन होगा।

आरजीपीवी में ड्रोन पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

भोपाल

राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन पाँच ड्रोन के सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण सत्र के साथ किया गया, जिन्हें कार्यशाला के दौरान पाँच टीमों द्वारा डिजाइन किया गया था। इस कार्यक्रम में यूआईटी आरजीपीवी के विभिन्न विषयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ड्रोन के बुनियादी सिद्धांतों, काम करने और भविष्य के दायरे का व्यावहारिक अनुभव देना था।

कार्यशाला के प्रथम सत्र की शुरुआत ड्रोन के तकनीकी और सैद्धांतिक पहलुओं से हुई। वक्ताओं ने प्रस्तुति दी और ड्रोन की सभी बुनियादी शब्दावली के बारे में बताया। ड्रोन के प्रकार, उनका महत्व, अनुप्रयोग, और कुछ बहुत ही रोचक तकनीकी पहलुओं जैसे मोटरों के प्रकार, ब्रशलेस डीसी मोटर्स की मूल संरचना, दो प्रकार के प्रोपेलर, फ्लाइंग के तीन मुख्य अक्ष- रोल, पिच, और यॉ, वोल्टेज- आरपीएम विनिर्देश आदि के बारे में बताया। तत्पश्चात तकनीकी विशेषज्ञ ने उड़ान नियंत्रकों और उनके प्रकारों के बारे में परिचय दिया।

कार्यशाला के अंतिम सत्र की शुरुआत ड्रोन के सभी घटकों और उड़ान परीक्षण के संयोजन के साथ हुई। घटकों की सोल्डरिंग और उड़ान नियंत्रक के अंशांकन के बाद मोटर्स और प्रोपेलर की दिशा सिखाई गई। सभी उपस्थित लोगों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सुनील कुमार और कार्यक्रम समन्वयक डॉ संजय कुमार शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। तत्पश्चात विभिन्न टीमों द्वारा इकट्ठे किए गए सभी ड्रोन के लिए उड़ान परीक्षण आयोजित किया गया और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम द्वारा विजेता टीम की घोषणा कर प्रमाण पत्र दिए गए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में मौलश्री और केसिया के पौधे रोपे।

स्वयंसेवी संस्थाओं की कॉमन बैठक में निर्धारित हों कार्य

स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित सभी विभाग एक साथ काम करें

मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने में एनजीओज की भूमिका पर सम्मेलन

भोपाल

स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र से संबंधित स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति आदि विभाग एक साथ मिलकर काम करें, तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। यह बात आज कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में स्वयंसेवी संस्थाओं के सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं पोषण पर आधारित सत्र के दौरान सामने आई। स्वयंसेवी संगठनों ने कहा कि मध्यप्रदेश में मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी आने के बावजूद सुधार की आवश्यकता है। सभी विभागों से अगर वे संयुक्त रूप से सम्पर्क में रहते हैं, तो बेहतर कार्य होंगे। यह बात स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने के उद्देश्य से कही। सत्र की अध्यक्षता फैकल्टी ऑफ कम्युनिटी हेल्थ साइंसेस, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनीटोबा कनाडा डॉ. बी.एम. रमेश और सह

अध्यक्षता आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री निशांत वरवड़े ने की। कार्यक्रम की माडरेटर प्रमुख सलाहकार राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र सुश्री प्रीति उपाध्याय थीं। विशिष्ट पेनेलिस्ट में भोपाल के विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि सुश्री भावना नागर, एकजुट संस्था, श्रीमती मानसी शेखर, न्यूट्रेशन इंटरनेशनल डॉ. अनंत भान, संगत संस्था और एम्स के डॉ. अरुण कोकने, पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला, पीएचएफआई नई दिल्ली की डॉ. सुपर्णा घोष, मानव फाउण्डेशन श्योपुर के श्री प्रमोद तिवारी और जन-सहयोग स्वास्थ्य डिण्डोरी के श्री राहुल परुआ शामिल थे।

इनके अलावा खुली चर्चा में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। श्रीमती मानसी शेखर ने कहा कि प्रदेश में न्यूट्रीशन गवर्नेंस होनी चाहिये, जिससे शासन और एनजीओ एक रणनीति बनाकर सही दिशा में काम करें। श्रीमती भावना नागर ने कहा कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है कि वे भावी माताओं का गर्भावस्था के प्रारंभिक हफ्ते से ही पंजीयन करायें, जिससे माता और शिशु दोनों स्वस्थ रहें। अक्सर देखने में आता है कि शुरूआती महीनों में गर्भावस्था की बात छिपाई जाती है।

'स्वयंसेवी संस्थाओं और गवर्नेंस के प्रमुख मुद्दों' पर हुआ पैनल डिस्कशन

भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा सतत विकास में भागीदारी एवं अनुभव को साझा करने हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं का सम्मेलन में स्वयंसेवी संस्थाओं और गवर्नेंस के प्रमुख मुद्दों पर पैनल डिस्कशन किया गया। कुशाभाऊ ठाकरे हॉल में पैनल डिस्कशन में मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद के महानिदेशक श्री बी.आर. नायडू, पूर्व मुख्य सचिव एवं महिला चेतना मंच भोपाल की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बुच और समर्थन एनजीओ भोपाल के हेड डॉ. योगेश कुमार ने अपने विचार रखे। पैनल डिस्कशन में स्वयंसेवी संस्थाओं के गवर्नेंस, शासन से संबंध और आशाएँ एवं समाज में संस्थाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

संस्था में पारदर्शिता और जवाबदेहिता लाना आवश्यक- श्रीमती निर्मला बुच

पूर्व मुख्य सचिव और महिला चेतना मंच भोपाल की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बुच ने कहा कि स्वयंसेवी संस्था में एनजीओ के साथ सामाजिक संगठन और नॉन रजिस्टर्ड संस्थाएँ भी शामिल होती है। गुड गवर्नेंस के लिए संस्था में पारदर्शिता और जवाबदेहिता लाना आवश्यक हैं। संस्था की जैसी पब्लिक इमेज होगी, वैसा ही उसे शासन और समाज से सहयोग मिलेगा। समाज को सही दिशा दिखाने के लिए किसी भी कार्य को आंदोलन का रूप दें। इससे संसाधन भी कम लगेंगे और समाज पर इसका प्रभाव भी अधिक दिखाई देगा।

जन अभियान परिषद के पोर्टल पर स्वयंसेवी संस्थाओं के पंजीयन की सुविधा : महानिदेशक श्री नायडू

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक श्री बी.आर. नायडू ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन और एनजीओ के बीच जन अभियान परिषद एक सेतु का कार्य करेगा। श्री नायडू ने बताया कि नीति आयोग के एनजीओ दर्पण पोर्टल की तर्ज पर परिषद के पोर्टल पर स्वयंसेवी संस्थाओं के पंजीयन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रजिस्टर्ड और नॉन रजिस्टर्ड दोनो ही संस्थाएँ पोर्टल पर पंजीयन कर सकती है। पंजीयन पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। संस्थाओं को बोर्ड के सदस्यों की जानकारी, वार्षिक रिपोर्ट, ऑडिट रिपोर्ट आदि भी अपलोड करनी होगी। इसे वेबसाइट में पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। जन-अभियान परिषद के पोर्टल पर एनजीओ को उनके द्वारा किए जा रहे दैनिक कार्य और उपलब्धियों को फोटो और रिकॉर्डिंग के माध्यम से अपलोड करने की सुविधा दी जाएगी, जिससे एनजीओ की सकारात्मक पब्लिक इमेज बनेगी। परिषद के माध्यम से हर 3 माह में प्रत्येक जिले में कलेक्टर के साथ जिले में कार्य कर रहे एनजीओ की बैठक की जाएगी। एनजीओ की क्षमता वर्धन के लिए विभिन्न एनजीओ को अकाउंट मेंटेनेंस, लॉ फ्रेम, प्रोजेक्ट बिल्डिंग आदि की ट्रेनिंग देने के लिए मेंटर्स के रजिस्ट्रेशन किए जायेंगे। साथ ही कैपेसिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत डिस्टेंस लर्निंग से बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के कोर्स संचालित किए जायेगे।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

मुख्यमंत्री के गृह जिले के गांव में बारिश में समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने से कई लोगों की हो चुकी मौत

ग्राम दुपाड़िया दांगी की काकड़ कॉलोनी से बड़बेली तक पक्की सड़क बनवाने का प्रभारी मंत्री ने दिया आश्वासन

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज के गृह जिले सीहोर के ग्राम पंचायत सेमरादांगी के तहत आने वाले ग्राम दुपाड़िया दांगी की काकड़ कॉलोनी पर 40 घर के लोग रहते है, लेकिन सड़क नहीं होने से बारिश के दिनों में वाहन नहीं निकलने के कारण अस्पताल पहुंचने से पहले ही कई लोगों की मौत हो चुकी है। ग्राम दुपाड़िया दांगी काकड़ कॉलोनी से लेकर बड़बेली तक छह किमी पक्की सड़क बनवाने को लेकर शुक्रवार को ग्राम दुपाड़िया दांगी के गुलाब सिंह, लक्ष्मण सिंह, ओमप्रकाश, भगवत सिंह आदि ने सीहोर प्रभारी मंत्री प्रभुराम चौधरी एवं पूर्व लोनिवि मंत्री रामपाल सिंह राजपूत से मिलकर सड़क बनवाने का

ज्ञापन सौंपा। जिस पर प्रभारी मंत्री प्रभुराम चौधरी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द दुपाड़िया दांगी की काकड़ कॉलोनी से बड़बेली तक पक्की सड़क बनवाएंगे एवं दुपाड़िया दांगी की काकड़ कॉलोनी से बड़बेली तक पक्की सड़क बनवाने का पत्र प्रभारी मंत्री ने पीडब्ल्यूडी विभाग भेजा है। इस दौरान ग्राम दुपाड़िया दांगी की काकड़ कॉलोनी में फौजियों का सम्मान करने पर भी ग्रामीणों ने प्रभारी मंत्री प्रभुराम चौधरी का स्वागत कर आभार जताया। इस अवसर पर पत्रकार संदीप मालवीय, विश्राम सिंह, देवेंद्र राजपूत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे। प्रभारी मंत्री को ग्रामीणों ने बताई पीड़ा गुलाब सिंह ने कहा कि जब गांव में कोई नुक्सा, बीमारी या आयोजन होते हैं, तो लोगों को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है। खास बात यह है कि ग्रामीण विधायक से लेकर सांसद से कई बार मांग कर चुके हैं, जिनसे हर साल आश्वासन मिलता है, लेकिन सड़क का निर्माण नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीण कीचड़ भरे कच्चे रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। वहीं महिलाओं व बच्चों में जमकर आक्रोश है।

700 लोग करते हैं निवास

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सेमरादांगी के साथ ही ग्राम दुपाड़ियादांगी की आजादी के पहले से बसाहट है और करीब 700 लोग निवास करते हैं, लेकिन आजादी के पहले से बसे इस गांव में अभी तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है, जिससे ग्रामवासी विकास और अन्य मामलों में पिछड़ते रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल ने रामनवमी पर देश एवं प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने रामनवमी के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम ने हमें त्याग, करूणा तथा परोपकार जैसे उच्चतम नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी है। उनका सम्पूर्ण जीवन उच्च आदर्श और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनका चरित्र और व्यवहार समाज में पारस्परिक सौहार्द्र एवं बंधुत्व की भावना बढ़ाता है। राज्यपाल सुश्री उइके ने श्रीराम के जन्मोत्सव की बधाई देते हुए देश-प्रदेश के सभी नागरिकों के मंगलमय जीवन, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। श्री बघेल ने कहा है कि पूरे देश में रामनवमी को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम का जन्मदिन उत्साह से मनाया जाता है। यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और हर्ष की बात है कि कौशल्या माता का धाम प्राचीन दक्षिण कोसल श्री राम का ननिहाल रहा है। भगवान राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय यहां बिताया है। श्री बघेल ने कहा है कि वनवास काल के दौरान भगवान राम छत्तीसगढ़ में जिस मार्ग से गुजरे थे, उसे राज्य सरकार 'राम वन गमन पर्यटन परिपथ' बनाते हुए धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित कर रही है। परियोजना के अंतर्गत 75 स्थानों का चिन्हांकन किया गया है। प्रथम चरण में 9 स्थानों को विकसित करने का काम शुरू किया गया है। सबसे पहले माता कौशल्या की जन्मभूमि चंदखुरी में स्थित कौशल्या माता के मंदिर का जीर्णोद्धार और मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण किया गया है। माता शबरी की नगरी शिवरीनारायण को भी इसी तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भगवान राम के चरण जिन-जिन स्थानों पर पड़े, उनके वैभवशाली और धार्मिक महत्व से जल्द ही देश-दुनिया परिचित हो सकेगी।

शिवरीनारायण में मानस पाठ भगवान राम की इच्छा

कण कण में बसे हैं श्री रामः डॉ. महंत

रायपुर। कण कण में बसे हैं श्री राम- डॉ. महंतराम वन गमन पर्यटन परिपथ शिवरीनारायण के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत मौजूद रहे. डॉ चरणदास महंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि ये बहुत खुशी की बात है कि राम वन गमन पर्यटन परिपथ शिवरीनारायण का लोकार्पण हो रहा है. डॉ. महंत ने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही यहां मानस का पाठ हो रहा है यह श्री राम की खुद की इच्छा है तभी इस तरह का आयोजन हो पा रहा है.

डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि कबीर परंपरा के अनुसार जगत में चार प्रकार के भगवान राम हैं.... एक राम दशरथ के बेटे हैं, दूसरे राम घट-घट में बैठे हैं, तीसरे राम ने पूरे ब्रह्मांड को बनाया है और चौथे राम अन्य सभी के राम हैं...डॉ. महंत ने कहा कि भले ही कबीर ,तुलसी या वाल्मीकि के रामायण अलग-अलग हो लेकिन सब में एक चीज समान है और वह है भगवान श्री राम..... डॉ. महंत ने कहा कि राम हम सभी की आत्मा में विराजमान हैं, हम सबको राम का भरोसा है और जब तक हम उनके भरोसे रहेंगे कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता.....

इस दौरान मंच पर देश की विख्यात पार्श्व गायिका श्रीमती अनुराधा पौडवाल भी उपस्थित थीं.... छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पर्यटन विभाग ने श्रीमती अनुराधा पौडवाल को एक विशेष साड़ी से सम्मानित किया, इस साड़ी में विशेष तौर पर राम दरबार का अंकन किया गया ह....ये साड़ी कोसा से निर्मित है जिसे जांजगीर के कलाकारों ने तैयार किया है.....

कार्यक्रम के दौरान राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास, जांजगीर कलेक्टर, एसपी समेत पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे.

शिवरीनारायण मंदिर में विधानसभा अध्यक्ष ने की पूजा अर्चना

विधानसभा अध्यक्ष ने की पूजा अर्चना,विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत ने आज शिवरीनारायण मंदिर में भगवान नर नारायण की पूजा अर्चना की और राज्य के लोगों की सुख समृद्धि और शांतिपूर्ण जीवन की कामना की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ राम सुंदर दास, महिला आयोग की सदस्य सुश्री शशिकान्ता राठौर, नगरपालिका जांजगीर-नैला के अध्यक्ष श्री भगवान दास गढ़ेवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सर्वश्री दिनेश शर्मा, रवि पांडेय, विवेक सिसोदिया, प्रिंस शर्मा, रामविलास राठौर, निर्मल दास वैष्णव उपस्थित थे।

शारदा देवी के दर्शन कर लौट रहे श्रृद्धालुओं की सडक हादसे में 3 की मौत 4 घायल

संतोष जायसवाल

कोरिया। नवरात्रि के पावन पर्व पर ग्राम पंचायत बकिरमा जिला सूरजपुर से मैहर शारदा देवी के दर्शन करने के लिए बुधवार को 10 लोगो का समूह बोलेरो वाहन से मैहर के लिए रवाना हुआ. जहां गुरुवार को दर्शन करने के बाद रात में मैहर से गृहग्राम के लिए श्रृद्धालुओं का समूह वापस लौट रहा था. जैसे ही जयसिंह नगर जिला शहडोल मध्यप्रदेश शुक्रवार को अलसुबह पहुंचे ही थे कि विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बोलेरो को जोरदार सीधी टक्कर मार दिया। जिससे बोलेरो के परखच्चे उड़ गए. जिससे बोलेरो चालक भुखन राम निवासी नमना 29 वर्ष , एवं बलराम प्रजापति निवासी बकिरमा उम्र 46 वर्ष, शोभित राम उम्र 48 वर्ष, इन तीन की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका उपचार शहडोल जिला अस्पताल में किया गया प्राथमिक उपचार के दौरान गंभीर स्थिति को देखते हुए 3 लोगों को रायपुर के लिए रेफर कर दिया है वहीं घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है ।

जयसिंह नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया शनिवार को गमगीन माहौल में मृतकों के गृहग्राम बकिरमा में अंतिम संस्कार किया गया गांव के 10 लोगों का एक साथ दुर्घटना होना और 3 लोगों की मौत एवं 7 लोगों के घायल होने से गांव में मातम पसरा हुआ है वहीं परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है।

हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी को रायपुर से किया गया गिरफ्तार

बलौदा बाजार। थाना भाटापारा ग्रामीण- प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी रामखेलावन यादव पिता कमलेश यादव उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सिंगारपुर थाना भाटापारा ग्रामीण रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 30.05.2021 के 7ः45 बजे आरोपी संदीप उर्फ नानू महिलांगे पिता बद्री प्रसाद महिलांगे उम्र 25 वर्ष ग्राम सिंगारपुर का इसके चाचा ईश्वर यादव को झगड़ा विवाद कर हत्या करने के नियत से लोहे की रॉड से प्राणघातक चोट पहुंचाया की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 160/2021 धारा 294 506 323 307 भादवी कायम कर विवेचना में लिया गया प्रकरण के घटना के बाद से फरार हो गया था जिस की पतासाजी लगातार जमीनी स्तर पर एवम तकनीकी विश्लेषण कर किया जा रहा था कि इसी दौरान विशेष सूत्रों के माध्यम से आरोपी को उरला रायपुर में छिपे होने की सूचना मिलने पर तत्काल टीम गठित कर आरोपी को उरला बिरगांव में पता तलाश कर पकड़ा गया जिसके निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल लोहे की रॉड को जप्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

कार ड्राइवर की बेरहमी से हत्या

रायपुर। राजधानी के कबीर नगर इलाके में कार ड्राइवर की हत्या का मामला सामने आया है। मामले में जानकरी देते हुए कबीर नगर थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि ये वारदात बीती रात की है और मृतक का नाम मुकेश ध्रुव है जो कि कार चालक है। सुबह 6 बजे नकटा तालाब में एक युवक की लाश मिली है जिसकी शिनाख्त करते पर पता चला कि मुकेश हीरापुर का रहने वाला है। मृतक के सिर पर किसी भारी हथियार से वार किया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर मेकाहारा भिजवा दिया था। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

नाबालिग युवती को भगा ले गया तमिलनाडु, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायगढ़। एसपी अभिषेक मीना के दिशा निर्देशन एवं एडिशनल एसपी लखन पटले, एसडीओपी सारंगढ़ प्रभात कुमार पटेल के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी डोंगरीपाली निरीक्षक जितेन्द्र एसैया द्वारा थानाक्षेत्र से लापता हुई बालिका को कोयंबटूर तमिलनाडु से दस्तयाब कर लाया गया है, बालिका को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने वाले आरोपी युवक को पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है ।

जानकारी के अनुसार दिनांक 05.02.2022 को थाना डोंगरीपाली क्षेत्र की महिला उसकी नाबालिग लड़की (17.7 साल) के दिनांक 29/01/2022 को शाम करीब 16/00 बजे घर में बिना बताये कहीं चले जाने की मौखिक रिपोर्ट पर थाना डोंगरीपाली में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 06/2022 धारा 363 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एसपी मीना द्वारा गुम नाबालिगों के पतासाजी में गंभीरता से जांच के दिये गये निर्देशों पर थाना प्रभारी डोंगरीपाली निरीक्षक जितेंद्र एसैया द्वारा लगातार बालिका के परिजनों, सहेलियों से पूछताछ कर संदेही एवं गुम बालिका पर सर्विलांस लगाकर रखा गया था, उपलब्ध संसाधनों की मदद से बालिका के तमिलनाडु में होने की जानकारी थाना प्रभारी को मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों से अनुमति प्राप्त कर अपनी टीम के साथ तमिलनाडू से बालिका को दस्तयाब कर रायगढ़ लाया गया है।

बालिका द्वारा महिला पुलिस अधिकारी को दिए अपने बयान में चंद्रशेखर चौहान निवासी महासमुंद द्वारा शादी का प्रलोभन देकर बहला-फुसलाकर रघुपति स्पेनर्स कोलारपट्टी थाना मंगलम जिला कोयंबटूर तमिलनाडु भगा ले गया था, जहां जबरन शारीरिक संबंध बताना बताई है।

पीड़िता के कथन, डॉक्टरी मुलाहिजा पश्चात प्रकरण में धारा 366, 376 एवं 4,6 पोक्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए आरोपी चंद्रशेखर चौहान पिता राजेंद्र चौहान उम्र 19 वर्ष निवासी चारभाठा थाना सिहोड़ा जिला महासमुंद को नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर शारीरिक शोषण के अपराध में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर अपर सत्र न्यायाधीश सारंगढ़ के न्यायालय भेजा गया , जहां न्यायिक रिमांड स्वीकृत होने पर आरोपी को जेल दाखिल किया गया है।

हाथी ने दो लोगों को कुचला, गांव में दहशत का माहौल

धमतरी। रिजर्व फॉरेस्ट में हाथी ने दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया. हाथी के कुचलने से महिला और एक पुरूष की मौत हो गई है. इस घटना शनिवार टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगल कक्ष क्रमांक 348 की बताई जा रही है. घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया. फिलहाल वन विभाग को इसकी सूचना दे दी गई है.

जानकारी के मुताबिक जंगल में महिलाएं लकड़ी लेने गई थी. अचानक एक हाथी महिलाओं को दौड़ाने लगा. बाकी महिलाएं किसी तरह जान बचाकर भाग निकली. लेकिन 45 वर्षीय भूमिका पति घुरऊ मरकाम, निवासी पाइकभाटा, हाथी से नहीं बच पाई. इससे पहले वो भागती हाथी ने उसे कुचलकर मार डाला.

बताया जा रहा है कि इसके अलावा पास के ही जंगल में एक पुरुष की लाश भी मिली है. इधर घटना की सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंच गया है. ग्रामीणों ने बताया कि बीते रात से पावद्वार के डैम के पास एक हाथी घूम रहा है. जिसके बाद से ग्रामीणों में दशहत है. मामले में सीतानदी उदंती टाईगर रिजर्व उपनिदेशक अरुण जैन ने बताया कि घटना शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे, कक्ष क्रमांक 348 की है. आगे की जांच चल रही है. बता दें कि इन दिनों धमतरी के अलग-अलग क्षेत्रों में हाथियों का दल विचरण कर रहा है. धमतरी रेंज में भी चंदा हाथी का दल विश्रामपुरी और आसपास में देखा गया है. इसके पहले भी सोरम के पास एक युवक की मौत हुई थी. जिसका अब तक खुलासा नहीं हो पाया है.

सट्टा खिलाते 2 सटोरिए गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। पुलिस ने आईपीएल मैच में सट्टा लगते दो सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ढुक्कक्रिकेट मैच के दौरान मोबाइल फोन और ऑनलाइन आईडी के माध्यम से सट्टा संचालित करते दो सटोरिए गिरफ्तार। 6 लाख की सट्टा-पट्टी सहित 30 हजार नगदी एवं 01 लैपटॉप 2 मोबाइल जब्त। एसीसीयू एवं थाना सरकंडा टीम की संयुक्त कार्यवाही। पारुल माथुर द्वारा बिलासपुर के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट को ढुक्कक्रिकेट मैच 2022 के सीजन में क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा संचालित करने वालों एवं कारोबार में संलिप्त लोगों की पतासाजी कर आवश्यक कार्यवाही करने के साथ क्रिकेट सट्टा के कारोबार पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई की थाना सरकंडा क्षेत्र में दो व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन एवं लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा का संचालन कर रहा था।

नशीली इंजेक्शन की तस्करी करते दो युवक गिरफ्तार, नशीला इंजेक्शन बरामद

महासमुंद। एसपी विवेक शुक्ला के निर्देशन में एएसपी मेघा टेंभुरकर साहू और सरायपाली एसडीओपी विकास पाटले के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को अपराधों और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया गया था.

अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की धरपकड़ के इसी क्रम में थाना सरायपाली में पदस्थ निरीक्षक आशीष वासनिक को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा से दो व्यक्ति बाइक में नशीली इंजेक्शन लेकर सरायपाली की ओर जाने वाले हैं. इस सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर नाकेबंदी कर दी. चेकिंग के दौरान दो व्यक्ति आते दिखे. पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन दोनों भागने लगे. फिर पुलिस ने दौड़कर दोनों को पकड़ा. पकड़े जाने पर बाइक चालक ने अपना नाम अमित सतपथी (33), वार्ड नंबर 2 महलपारा सरायपाली और पीछे बैठे दूसरे शख्स ने गौरव उर्फ गोलू सतपथी (19) वार्ड नंबर 12 ओड़ियापारा, सरायपाली का होना बताया. पुलिस ने इनके पास से 90 नग नशीला इंजेक्शन बरामद किया. जिसकी कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई जा रही है. इसके अलावा पुलिस ने मोबाइल और बाइक भी जब्त की है.

नारकोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने मामले में नारकोटिक्स एक्ट की धारा 21 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में ले लिया है. पूरी कार्रवाई में निरीक्षक आशीष वासनिक, एएसआई सोनचंद डहरिया, आरक्षक हिरेंद्र भार्गव, सरफुद्दीन अंसारी, अनंत गेंड्रे समेत सरायपाली थाना स्टाफ का सहयोग रहा.

राज्य में मक्का की खेती को लेकर किसानों का बढ़ता रूझान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य में खेती-किसानी की स्थिति में तेजी से बदलाव दिखायी देने लगा है। राज्य में मक्के की अच्छी कीमत, समर्थन मूल्य पर खरीदी की बेहतर व्यवस्था, कोण्डागांव जिले में मक्का प्रसंस्करण केन्द्र के लिए डिमांड के चलते रबी सीजन में भी मक्के की खेती को लेकर किसानों का रूझान बढ़ा है। बीते तीन सालों में राज्य में रबी सीजन में मक्के की खेती के रकबे में लगभग 11 गुना की वृद्धि हुई है और इसकी खेती का रकबा 13 हजार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 46 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। चालू रबी सीजन में अब तक एक लाख 26 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में मक्के की बोनी हो चुकी है, जो कि रबी सीजन 2020-21 में राज्य में 93 हजार हेक्टेयर में हुई मक्के की बोआई से लगभग 33 हजार हेक्टेयर अधिक है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2016-17 तथा वर्ष 2017-18 के रबी सीजन में औसत रूप से 12-13 हजार हेक्टेयर में मक्के की खेती होती थी। धीरे-धीरे किसानों का रूझान मक्के की खेती की ओर बढ़ा और इसका रकबा बीते रबी वर्ष 2020-21 में 93 हजार हेक्टेयर के पार हो गया था। रबी वर्ष 2021-22 में राज्य में एक लाख 46 हजार 130 हेक्टेयर में मक्का बोनी लक्ष्य के विरूद्ध मार्च माह के अंत तक एक लाख 26 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में बोनी पूरी कर ली गई है।

राज्य के बस्तर संभाग में खेती के रकबे में लगभग आठ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। बस्तर संभाग के जिलों में रबी वर्ष 2017-18 में औसत रूप से 10 हजार हेक्टेयर में मक्के की बोनी होती थी, अब यह रकबा बढ़कर 78 हजार के पार पहुंच गया है। कोण्डागांव जिले में सर्वाधिक 45 हजार 750 हेक्टेयर में मक्के की बोनी हुई है। कांकेर जिले में चालू रबी सीजन में 28 हजार हेक्टेयर बोआई के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 21 हजार 690 हेक्टेयर में मक्का बोया जा चुका है। चालू रबी सीजन में रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में सर्वाधिक 11 हजार हेक्टेयर में बोनी के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक लगभग 8 हजार हेक्टेयर में मक्का की बोनी हो गई है।

दुर्ग संभाग अंतर्गत बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव और कबीरधाम जिलों में इस साल 8780 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरूद्ध 9000 हेक्टेयर से अधिक में बोनी मक्के की खेती की ओर वनांचल के साथ-साथ मैदानी ईलाकों के किसानों के बढ़ते रूझान का प्रतीक है। यहां यह बताना जरूरी है कि दुर्ग संभाग के उक्त पांचों जिलों में रबी सीजन 2020-21 में मात्र 3590 हेक्टेयर में ही मक्के की खेती हुई थी।

इस साल 9170 हेक्टेयर में मक्के की बोनी होना मक्के के रकबे में ढाई गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। बिलासपुर संभाग में इस साल 19620 हेक्टेयर में मक्का बोआई के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 13 हजार से अधिक रकबे में बोआई हो चुकी है, जो बीते रबी सीजन में 12660 हेक्टेयर में मक्का बोनी से अधिक है। सरगुजा संभाग के जिलों में 10690 हेक्टेयर के विरूद्ध अब तक 5600 हेक्टेयर तथा बस्तर संभाग के जिलों में 85800 हेक्टेयर के विरूद्ध 78620 हेक्टेयर में मक्के की बोनी हो चुकी है।

संपादकीय

रोकिए नरसंहार

युद्ध से त्रासद खबरों का आना बेरोक जारी है। अमानवीयता की बदतर तस्वीरें सामने आने लगी हैं। यूक्रेन के बुका में जैसे नरसंहार के संकेत मिले हैं, उससे पूरी दुनिया में चिंता की लहर दौड़ गई है। भारत ने पहली बार पूरी दृढ़ता से हिंसा की निंदा की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यूक्रेन की स्थिति पर लोकसभा में बताया कि भारत इस संघर्ष के पूरी तरह खिलाफ है और तत्काल हिंसा खत्म करने के पक्ष में है। अब तक भारत से यह सवाल बार-बार पूछा जा रहा था कि वह किसके साथ है, इस सवाल का जवाब देते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने यदि कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। लोकसभा में जयशंकर ने कहा कि भारत का रुख राष्ट्रीय विश्वास एवं मूल्यों, राष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय रणनीति के तहत निर्देशित है। हिंसा व बेगुनाहों के जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकल सकता। संवाद और राजनय ही एकमात्र उपाय है। भारत का यह रुख स्वागतयोग्य है। युद्ध के विरुद्ध और शांति के पक्ष में भारतीय नेताओं को लगातार अपने विचार दुनिया के सामने रखने पड़ेंगे। दुनिया में कतई यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि भारत युद्ध या हमले के पक्ष में है।

बुका में अगर नरसंहार की खबरें सही हैं, तो इसकी स्वतंत्र जांच के पक्ष में भारत खड़ा हो गया है। यह भारत के रुख में एक बड़ा बदलाव है। हालांकि, हमें सावधान रहना चाहिए, क्योंकि असत्य या दुष्प्रचार के सहारे भी निर्मम युद्ध या हमले हम देख चुके हैं। युद्ध में शामिल ताकतें अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। अत: युद्ध क्षेत्र से आने वाली खबरों को अच्छी तरह से परखते हुए ही चलना चाहिए। अगर भारत युद्ध को रोकने की स्थिति में है, तो उसे अपनी भूमिका से हिचकना नहीं चाहिए। युद्ध के समय सच को सच और झूठ को झूठ कहने और मानवीयता का पक्ष मजबूत करने का काम भारत सरकार बेहतर कर सकती है। रूस ने अगर आम लोगों को जान-बूझकर निशाना बनाना शुरू कर दिया है, तो उसकी निंदा जरूर होनी चाहिए। किसी भी युद्ध को जल्दी जीतने के लिए निर्मम सैन्य कमांडर यह रणनीति अपनाते हैं, लेकिन यह कभी नहीं भूलना चाहिए, युद्ध के समय निहत्थों को निशाना बनाना मूलत: कायरता है। ऐसी निंदनीय कायरता से कथित शक्तिशाली देशों को बाज आना चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों, सभी की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। चालीस दिन से युद्ध जारी है, किसको क्या हासिल हुआ है? सोच लेना चाहिए। रूस अपने घाव छिपा रहा है, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि इन घावों को ठीक करने में रूस को कई दशक लग जाएं। यह हमारी दुनिया का दुर्भाग्य है कि इराक, अफगानिस्तान से सबक सीखने के बाद जब अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है, तब यूक्रेन में रूसी दुस्साहस ने पूरी दुनिया को विचलित कर रखा है। यूक्रेन से बच्चे भाग रहे हैं, लोग भाग रहे हैं, दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो रहा है। तबाही रोकने की हरसंभव कोशिश भारत को करनी चाहिए। क्या रूस और यूक्रेन के बीच कोई समझौता संभव है? क्या भारत दोनों देशों को एक मंच पर ला सकता है? अगर इस दिशा में भारत को कामयाबी मिलती है, तो यह खुद भारत के हित में होगा। वरना गौर से गिन लीजिए, एक-एक कर अनेक देशों की स्थिति बिगड़ने लगी है।

चीन, सेना और सऊदी अरब के त्रिकोण में फंस गए इमरान खान

इमरान खान 4 वर्षों का कार्यकाल बमुश्किल पूरा कर पाए थे कि उनके खिलाफ जबरदस्त विरोध के स्वर मुखर हो गए। खुद सेना की आंखों में भी इमरान खान किरकिरी बन कर चुभने लगे। सेना को अनुमान था कि राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव हीनता के कारण इमरान खान नियाजी उनके इशारों पर नाचेंगे। सेना का मानना था कि अमेरिका, सऊदी अरब और चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों में भी इमरान खान के कार्यकाल में सुधार होगा। इमरान खान पाकिस्तान के तीनों प्रायोजकों को खुश रखने में समर्थ रहेंगे। हुआ उल्टा। इमरान खान नियाजी के कार्यकाल में अमेरिका के साथ पाकिस्तान के संबंध सबसे निचले पायदान पर पहुंच गए। चीन ने एक बार पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबारने का वादा तो किया, पर उसका अनुपालन करने से वह पीछे हट गया।

(प्रेम शुक्ल)

पाकिस्तान इस समय राजनीतिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है, उसकी इस राजनीतिक बदहाली के मूल में उसकी आर्थिक बदहाली है। दुनिया इस तथ्य से भली-भांति अवगत है कि पाकिस्तान का सत्ता केंद्र निर्वाचित सरकारों की बजाए पाकिस्तानी सेना के हाथ में रहता है। बीते 75 वर्षों में अधिकांश कालखंड सेना ने प्रत्यक्ष रूप से हुकूमत को नियंत्रित किया है। जब सत्ता राजनीतिक दलों के हाथ में रही है तब भी सत्ता का अपरोक्ष केंद्र सेना ही रही है। इसीलिए जब 2018 में इमरान खान नियाजी ने सत्ता का सूत्र संभाला तो हर किसी को लगा कि सेना की कठपुतली होने के कारण संभव है इमरान अपना कार्यकाल पूरा कर लें। चूंकि सेना ने इमरान खान को सत्ता में संस्थापित करने के लिए स्वयं चुनाव को प्रभावित किया था ऐसे में वह सेना के कोप के शिकार नहीं बनेंगे।

इमरान खान 4 वर्षों का कार्यकाल बमुश्किल पूरा कर पाए थे कि उनके खिलाफ जबरदस्त विरोध के स्वर मुखर हो गए। खुद सेना की आंखों में भी इमरान खान किरकिरी बन कर चुभने लगे। सेना को अनुमान था कि राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव हीनता के कारण इमरान खान नियाजी उनके इशारों पर नाचेंगे। सेना का मानना था कि अमेरिका, सऊदी अरब और चीन के साथ पाकिस्तान के संबंधों में भी इमरान खान के कार्यकाल में सुधार होगा। इमरान खान पाकिस्तान के तीनों प्रायोजकों को खुश रखने में समर्थ रहेंगे। हुआ उल्टा। इमरान खान नियाजी के कार्यकाल में अमेरिका के साथ पाकिस्तान के संबंध सबसे निचले पायदान पर पहुंच गए। चीन ने एक बार पाकिस्तान को आर्थिक संकट से उबारने का वादा तो किया, पर उसका अनुपालन करने से वह पीछे हट गया।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान की मदद तो की पर कड़ी शर्तों को लादकर उसने संकेत दे दिया अब खैरात के दिन लद चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय साख घटने के साथ-साथ जिस तरह से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का दिवाला पिटा उससे उपजी स्थितियों का ठीकरा पाकिस्तान की सेना अपने सिर पर क्यों फूटने दे? सेना ने जिस तरह से इमरान खान नियाजी के समर्थन में बढ़े अपने हाथों को खींचा उसने ही पाकिस्तान की विपक्ष हो इमरान खान के खिलाफ मनोबल प्रदान कर दिया। इमरान खान के खिलाफ खड़े राजनीतिक असंतोष की आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है।यूरोप के कई पाकिस्तानी दूतावासों में बीते कई महीनों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। बेलग्रेड स्थित दूतावास के आधिकारिक हैंडल से वेतन के भुगतान ना होने के बारे में बाकायदा ट्वीट प्रसारित हुआ। हालांकि हैकिंग का मामला बताकर पाकिस्तानी दूतावास ने इसे रफा-दफा करने का प्रयास किया, लेकिन यह सत्य है कि पाकिस्तानी दूतावास की कई सारे कर्मचारियों की संतानें अपने शिक्षा संस्थानों में फीस भरने में भी विफल रही हैं। इसके कारण उनके परिजनों को नोटिस जारी हो चुका है। जब 2018 में इमरान खान ने प्रधानमंत्री पद की कमान संभाली थी, तब पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर 5.8 फीसदी थी। हुक्मरानों को अपेक्षा थी कि इमरान खान के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। हुआ उल्टा 2019 में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर गिरकर 0.99 फीसदी रह गई. अगले वर्ष 2020 में और नीचे गिर कर 0.53 फीसदी हो गई।

परिणाम स्वरूप चालू वित्त वर्ष का घाटा बड़े पैमाने पर बढ़ गया .बदहाल अर्थव्यवस्था में पाकिस्तानी रुपए का मूल्य औंधे मुंह धराशाई हो गया। विदेशी ऋण की वापसी का बोझ भी सतत बढ़ता चला गया। पाकिस्तान की घरेलू आवश्यकताएं बड़े पैमाने पर आयात पर ही निर्भर हैं। सो भुगतान का संतुलन भी बिगड़ गया। 2019 में इमरान खान इस संकट से उबरने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास गए। पिछले चार दशकों में आईएमएफ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 13 बार उबार चुका है। ऐसे में इमरान खान को आशा थी की 14वीं बार भी आईएमएफ उनका तारणहार बन जाएगा। इमरान खान आईएमएफ से 6 बिलियन डॉलर आर्थिक पैकेज चाहते थे, लेकिन आईएमएफ 6 बिलियन डॉलर कर्ज के बदले पाकिस्तान में ढांचागत सुधार और सरकारी ऋण घटाने की शर्त सामने रख दी। इमरान खान चीन के सामने भी गए, कई दौरों की वार्ता भी हुई पर चीन भी उन्हें आर्थिक संकट से मुफ्त में उबारने के लिए तैयार नहीं हुआ। 27 नवंबर 2021 को सऊदी अरब में पाकिस्तान को 3 बिलियन डॉलर के कर्ज की मंजूरी दी। यह मंजूरी मोटे ब्याज दर और कड़ी शर्तों के साथ मिली।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के वित्तीय सलाहकार मुजम्मिल असलम ने सऊदी अरब से मिले कर्ज की मंजूरी प्राप्त होते ही बयान दिया कि पाकिस्तान को 60 दिनों के भीतर 7 बिलियन डॉलर सहायता की उम्मीद है। इस राशि में सऊदी अरब का 3 बिलियन डॉलर की डिपाजिट राशि, 1.2 बिलियन डॉलर मूल्य की सऊदी तेल की आपूर्ति, जिसका भुगतान विलंबित रहेगा और 800 मिलीयन डॉलर मूल्य का इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक की तेल आपूर्ति सुविधा शामिल है। जो सऊदी अरब किसी जमाने में पाकिस्तान को दिए जाने वाले अधिकांश कर्ज को अनुदान में परिवर्तित कर दिया करता था, वही अब उसी पाकिस्तान को 3 बिलियन डॉलर का कर्ज़ 4 फ़ीसदी ब्याज के भुगतान पर देता है। इस कर्ज के खिलाफ पाकिस्तान को किसी प्रकार की विधिक कार्यवाही का भी अधिकार प्राप्त नहीं है। कर्ज के जाल में पाकिस्तान उलझा ही है, पाकिस्तान में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति की दर भी बेतहाशा गगनचुंबी हो गई।2020 के मई माह मुद्रास्फीति दर 23.6 फ़ीसदी पहुंच गई थी। आज भी पाकिस्तान में खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति दहाई के आंकड़े को पार किए पड़ी है। दूध, मछली, मुर्गे जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ आम आदमी की थाली से बाहर हो चुके हैं। कोविड महामारी के कारण पाकिस्तान में लगभग 10000 फैक्ट्रियां बंद पड़ चुकी हैं, जिसके कारण लगभग दो करोड़ लोग बेरोजगार हो गए। अमेरिकी रूखेपन और पाकिस्तान के अंदरूनी हालात के चलते कोई विदेशी संस्थागत निवेशक पाकिस्तान में निवेश के लिए तैयार नहीं है। चीनी ड्रैगन निवेश और कर्ज के जाल के माध्यम से पाकिस्तान को अपने चंगुल में ले चुका है। चाइना-पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का निवेश 46 बिलियन डालर से बढ़कर 65 बिलियन बिलियन डालर तक हो चुका है। आतंकी हमलों से चीनी निवेश की परियोजनाओं को संरक्षित कर पाने में पाकिस्तानी प्रशासन विफल रहा है। चीन का कर्ज पाकिस्तान के सिर पर लगातार बढ़ता चला गया। आईएमएफ के आंकड़ों के अनुसार 2013 में पाकिस्तान पर कुल विदेशी कर्ज 44.35 बिलियन डॉलर का हुआ करता था जिसमें चीनी कर्ज की हिस्सेदारी सिर्फ 9.3 फीसदी हुआ करती थी। पिछले वित्तीय वर्ष में यह कर्ज दोगुना हो चुका है।

अब पाकिस्तान पर 90.12 बिलियन डॉलर का कर्ज है। इस कर्ज में चीन की हिस्सेदारी 27.4 फीसदी यानी लगभग 24.7 बिलियन डॉलर हो चुका है। बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध के संसाधनों को जिस अंदाज में चीनी कंपनियां कब्जा कर रही हैं उससे पाकिस्तानी आवाम में भयंकर बेचैनी है। इमरान खान की इन विफलताओं को पाकिस्तानी सेना अपने इमेज के लिए खतरा पाती है। इसलिए उसने इमरान खान से किनारा करना प्रारंभ कर लिया। जब आईएसआई के मुखिया फैज हामिद को हटाकर सेना प्रमुख कमर बाजवा ने नदीम अंजुम को लाने का फैसला किया तो इमरान खान ने इसका विरोध किया। 2018 में फैज हामिद ने इमरान खान को सरकार में लाने में अहम भूमिका अदा की थी. सो इमरान खान उनका कर्ज उतारना चाहते थे। किंतु सेना के सामने इमरान खान की नहीं चली। भले ही कमर बाजवा आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति में अपनी चला ले गए, किंतु अपनी ही बिल्ली के म्याऊं करने के स्वभाव ने उन्हें आहत किया। सनद रहे कि नवाज शरीफ का परिवार पाकिस्तानी सेना के साथ समन्वय बनाकर चलने में सिद्धहस्त है। उसमें भी पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में शाहबाज शरीफ हमेशा सेना के अनुकूल काम करते आए हैं।सऊदी अरब से भी शरीफ परिवार के संबंध पाकिस्तान के अन्य राजनीतिज्ञों की तुलना में बेहतर हैं। चीनी कंपनियों के लिए भी शरीफ के शासनकाल में लाल गलीचा बिछाया गया था। भले ही इमरान खान अपने खिलाफ खड़े हुए राजनीतिक विद्रोह को अमेरिका प्रायोजित बता रहे हों और खुद को चीन के पक्षधर साबित करने के प्रयास में जुटे हों, पर सत्य यह है की चीन, सेना और सऊदी इस त्रिकोण में शरीफ परिवार इमरान से कहीं ज्यादा प्रभावशाली है। जब इमरान खान के कार्यकाल में अमेरिका नाराज हो, सऊदी अपनी शर्तें लाद रहा हो, आईएमएफ पाकिस्तान के कर्ज के पैकेज को अक्सर नामंजूर कर रहा हो तब पाकिस्तान की सेना इमरान खान के बोझ को अपने कंधे पर क्यों ढोए? वास्तव में पाकिस्तान के हालात भी श्रीलंका जैसे हैं। अब उसे बचाने में इस्लामी उम्मा की रुचि भी शेष नहीं है। ना ही अमेरिका पाकिस्तान को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है। सऊदी, पाकिस्तान पर खैरात लुटाने के लिए राजी नहीं। चीन खैरात की राजनीति में विश्वास नहीं रखता। ऐसे में इमरान खान का आना- जाना उतनी बड़ी बात नहीं, जितना इस संकेत से पाकिस्तान को खतरा है। आने वाले दिनों में क्या पाकिस्तान अपना अस्तित्व बचा पाएगा ? इमरान खान की सत्ता अल्पायु हैज क्या पाकिस्तान दीर्घायु हो पाएगा! यह बड़ा सवाल है।

(लेखक राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी)

अपनी धरती और सेहत के लिए

(चंद्रकांत लहारिया, जन नीति और स्वास्थ्य तंत्र विशेषज्ञ)

हर गुजरते दिन के साथ दुनिया में नई बीमारियों के फैलने और अगली महामारी के उभरने की आशंका बढ़ती जाती है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हैं। वनों की कटाई और जंगलों में बढ़ते इंसानी दखल के कारण नए-नए रोगाणु मानव के संपर्क में आने लगे हैं। रोगाणु वैश्विक गरमी (ग्लोबल वार्मिंग) और बढ़ते तापमान के कारण नई परिस्थितियों और जगहों में भी ढलने लगे हैं। नतीजतन, पिछले कुछ दशकों में कई नई बीमारियां उभरी हैं। साथ ही, हवाई यात्राओं के कारण 24 घंटे से भी कम समय में संक्रमण का प्रसार दुनिया के एक से दूसरे हिस्से में होने लगा है। इन सबमें शहरों में बढ़ती भीड़ और सघन बसावट भी कमजोरी साबित होती हैं।

लोगों की सेहत चरम मौसमी घटनाएं, भूमि क्षरण और सूखे के कारण होने वाले विस्थापन से भी प्रभावित हो रही है। न सिर्फ सागरों की गहराइयों में प्रदूषक और प्लास्टिक मिलने लगे हैं, बल्कि पर्वतों के ऊंचे शिखर भी इससे अछूते नहीं हैं। इन्होंने हमारी खाद्य शृंखला में सेंध लगा दी है। अत्यधिक प्रसंस्कृत उत्पाद और 'जंक' कहे जाने वाले खाद्य व पेय पदार्थ हमें मोटापे की सौगात दे रहे हैं, जिससे कैंसर और हृदयाघात जैसी बीमारियां बढ़ गई हैं। एंटीमाइक्रोबायल्स (एंटीबायोटिक्स और एंटीवायरल) के बेरोक-टोक उपयोग से पूर्व में प्रभावी रहे एंटीबायोटिक्स अब बेअसर साबित होने लगे हैं। इस रफ्तार से नए एंटीबायोटिक्स की खोज नहीं हो रही है।

इन तमाम पहलुओं का इंसान और धरती की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। अनुमान है कि साल 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन के कारण कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और बेहिसाब गरमी से दुनिया भर में सालाना 2.5 लाख अतिरिक्त लोगों की अकाल मौत हो सकती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते तापमान और बाढ़ से डेंगू जैसी वेक्टर-जनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। अभी दुनिया में हर दस में से नौ लोग दूषित हवा में सांस ले रहे हैं। करीब 24 फीसदी वैश्विक मौत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दूषित आबोहवा से होती है। वायु प्रदूषण तो फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और मस्तिष्काघात के कारण हर मिनट में 13 लोगों की जान लेता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का आकलन है कि दुनिया भर में हर साल लगभग 1.3 करोड़ लोग उन पर्यावरणीय कारकों से मर रहे हैं, जिनसे बचा जा सकता है।

अध्ययन बताते हैं कि विश्व भर में 3.6 अरब लोगों के पास सुरक्षित शौचालय नहीं है। अनुपचारित मानव मल पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को बिगाड़ देता है। दुनिया में करीब दो अरब लोगों को सुरक्षित पेयजल नहीं मिलता। दूषित पानी और गंदगी की वजह से हर साल लगभग आठ लाख लोग डायरिया से मर जाते हैं। इसी तरह, तंबाकू हर साल 80 लाख लोगों की जान लेता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों का एक प्रमुख कारक है। हर साल 60 करोड़ पेड़ सिर्फ इसलिए काट दिए जाते हैं, ताकि 60 खरब सिगरेट बनाए जा सकें। जाहिर है, साफ हवा की राह में यह एक बड़ी रुकावट है। अगर सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को पर्यावरण-हितैषी बनाया जाए, तो हवा की गुणवत्ता सुधर सकती है। सीवेज, अवशिष्ट पदार्थ और जहरीले रसायनों को हमारी झीलों, नदियों और भूजल में प्रवेश करने से रोककर हम अपने जल स्रोतों की रक्षा कर सकते हैं।

ये सभी बिंदु बताते हैं कि मानव, पशु और स्वच्छ आबोहवा किस तरह परस्पर जुड़े हुए हैं। इसी के कारण पिछले दशक में 'एक स्वास्थ्य' की सोच उभरी है। इस अंतर्संबंध का सबसे बड़ा व ज्वलंत प्रमाण तो कोरोना महामारी है, जिसने पूरी दुनिया में उथल–पुथल मचा रखी है। यानी, हमें अपने परिवेश का हर हाल में ध्यान रखना ही होगा। इस लिहाज से देखें, तो विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2022 की थीम 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य' समय के अनुकूल है। यह थीम इंसानों व धरती को सेहतमंद रखने और स्वस्थ समाज बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर डालती है। मौजूदा कोरोना महामारी ने सतत स्वास्थ्य की जरूरत बताई है, इसलिए पर्यावरण से छेड़छाड़ किए बिना अपनी व अगली पीढ़ियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध होना आज की बड़ी जरूरत है।

निश्चय ही, हम सब मिलकर इनमें से कई चुनौतियों से पार पा सकते हैं और अगली महामारी को आगे धकेल सकते हैं। इसके लिए हमें ऐसे प्रयास करने होंगे कि जंगलों और जानवरों से वायरस का फैलाव इंसानों में न हो। समझना होगा कि जब कृषि कार्य या अंधाधुंध विकास के नाम पर वनों की कटाई की जाती है, तो माइक्रोब्स आसानी से इंसानों के संपर्क में आ जाते हैं। सरकारों को सुनिश्चित करना होगा कि विकास के नाम पर प्रकृति का नुकसान न हो। सरकारों को खाना पकाने और रोशनी के लिए स्वच्छ ऊर्जा की व्यवस्था को प्राथमिकता देनी चाहिए। सुरक्षित और किफायती सार्वजनिक परिवहन प्रणाली तैयार करने, पैदल चलने योग्य या साइकिल के अनुकूल फुटपाथ बनाने और वाहन उत्सर्जन रोकने के उच्च मापदंड अपनाने की भी जरूरत है। ऊर्जा-किफायती आवास व बिजली उत्पादन में निवेश करने, औद्योगिक व नगरीय कचरे के निपटान में सुधार लाने, पराली जलाने पर लगाम लगाने और कृषि वानिकी से जुड़ी गतिविधियों को सीमित करने की भी सख्त दरकार है। इन कामों में समाज का हर व्यक्ति सहयोग दे सकता है। कार पूल को बढ़ावा देकर और हरसंभव सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करके हम ऐसा कर सकते हैं। हम चाहें, तो बिजली की खपत घटाकर, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से परहेज करके, तंबाकू उत्पादन और इसका सेवन बंद करके, प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करके व रीसाइकिल योग्य बैग का उपयोग करके भी स्वस्थ धरती बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। साफ है, विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें महामारी से सफलतापूर्वक और हरित तरीके से उबरने का विशेष मौका दे रहा है। हमें स्वास्थ्य-उन्मुख समाज बनाने की दिशा में आज ही जुटना होगा।

कैसे बने भारत खुशहाल

(कुंदन कुमार)

सवाल है कि भारत खुशहाली के वैश्विक पायदान में ऊपर कैसे आए! कैसे हम दुनिया को यह संदेश दें कि हम भी किसी से कम खुशहाल नहीं हैं। जाहिर है, इसके लिए व्यवस्थागत स्तर पर आमूलचूल बदलावों के साथ प्रयास करने होंगे। भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों से निपटना होगा। नौजवानों को रोजगार देना होगा। भारत में आज बेरोजगारी चरम पर है। देश की युवा आबादी के लिए यह संकट कम गंभीर नहीं है।

आज के युग में खुशी का संबंध आर्थिक संपन्नता से ज्यादा जुड़ गया है। व्यक्ति जब आर्थिक रूप से संपन्न होता है तो वह स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास जैसी मदों पर अधिक खर्च कर पाने की हैसियत रखता है। व्यावहारिक रूप से यह उचित इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि बिना बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन और आवास के खुशहाल जिंदगी की कल्पना नहीं की जा सकती। सच्चाई यह भी है कि व्यक्ति जब स्वस्थ रहेगा, तभी वह खुश भी रह पाएगा। पर बिना आर्थिक संपन्नता के खुश रहने की बात करना आज के युग में बेमानी ही है। विभिन्न देशों में खुशहाली के आकलन के लिए खुशहाली सूचकांक की कसौटी पर लोगों की खुशी का अनुमान लगाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र सतत विकास कार्यक्रम के तहत की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से हर साल वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट जारी की जाती है। पहली वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट वर्ष 2012 में आई थी। इसके बाद दुनियाभर में आर्थिक विकास के साथ-साथ खुशहाली को भी महत्ता दी जाने लगी। बहरहाल, वैश्विक खुशहाली सूचकांक की ताजा रिपोर्ट पिछले महीने आई।रिपोर्ट बताती है कि खुशहाली के मामले में पिछले साल यानी 2021 में दुनिया के एक सौ उनचास देशों में भारत का स्थान एक सौ उनतालीसवां रहा। इससे पता चलता है कि हमारे देश में लोग कितने खुशहाल हैं! यह गंभीर बात इसलिए भी है जो देश अगले पांच-दस साल में दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावे कर रहा है, उसकी हालत यह है कि दुनिया के सिर्फ दस देशों के नागरिकों ही खुशहाली के मामले में उससे नीचे हैं, बाकी एक सौ उनतीस देशों के लोग उससे ज्यादा खुशहाल की जिंदगी जी रहे हैं।खुशहाली सूचकांक में पूर्व के वर्षों में भी भारत की स्थिति बेहतर नहीं रही है। वर्ष 2020 की रिपोर्ट में भी भारत को सबसे नीचे के दस देशों में स्थान मिला था। उस समय एक सौ तिरपन देशों की सूची में भारत एक सौ चवालीसवें स्थान पर था। वर्ष 2019 में भी हम एक सौ छप्पन देशों की सूची में एक सौ चालीसवें स्थान पर थे। 2018 में एक सौ तैंतीसवां स्थान था। यानी दुनिया में शांति और खुशहाली का संदेश देने वाले हमारे देश में खुशहाली की स्थिति लगातार चिंताजनक ही बनी हुई है।ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर क्यों हम खुशहाल नहीं हैं। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, भरपूर संसाधन, सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से सशक्त और आर्थिक रूप से भी मजबूत होने का दावा करने के बावजूद अगर हम खुशहाली के निर्धारित वैश्विक पैमाने पर खरे नहीं उतर रहे हैं, तो यह हमारी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।वैश्विक खुशहाली की रिपोर्ट बता रही है कि हमारे पड़ोसी देशों के नागरिक हमसे ज्यादा खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं। रिपोर्ट में चीन चौरासीवें, नेपाल सत्तासीवें, बांग्लादेश एक सौ एक, पाकिस्तान एक सौ पांच और श्रीलंका एक सौ उनतीसवें स्थान पर आया है। दूसरी ओर, सबसे खुशहाल देशों में फिनलैंड है। फिनलैंड आज से नहीं, बल्कि पिछले चार साल से लगातार अव्वल बना हुआ है।

फिनलैंड के बाद दूसरे स्थान पर डेनमार्क, तीसरे पर स्विटजरलैंड, चौथे पर आइसलैंड और पांचवें पर नीदरलैंड है। सर्वाधिक दस खुशहाल देशों की सूची में नार्वे, स्वीडन, लक्जमबर्ग, न्यूजीलैंड व आस्ट्रिया भी शामिल हैं। बाकी देशों की बात करें, तो जर्मनी तेरहवें, ब्रिटेन सत्रहवें, अमेरिका उन्नीसवें और जापान जापान छप्पनवें स्थान पर है। हालांकि यह सुनने में अजीब लगता है कि जापान जैसा देश जो विकसित देशों में शुमार है और हर लिहाज से संपन्न, फिर भी वहां लोग अपेक्षाकृत कम खुशहाल हैं।खुशहाली के मामले में सबसे बदतर देशों में अफगानिस्तान है। हालांकि यह मुल्क पिछले कई दशकों से जिस तरह का हिंसक संघर्ष झेल रहा है, उसमें खुशहाल जीवन की कल्पना संभव नहीं है। जिंबाब्वे और रवांडा जैसे गरीब अफ्रीकी देश भी सबसे नीचे के दस देशों में ही हैं। ये दोनों देश लंबे समय से गृहयुद्ध झेल रहे हैं। अगर ब्रिक्स के सदस्य देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की बात करें, तो इसमें भी भारत की स्थिति सबसे खराब है। खुशहाली के मामले में ब्राजील पैंतीसवें स्थान के साथ सबसे अच्छी स्थिति में है। ब्राजील के बाद रूस छिहत्तरवें, चीन चौरासीवें और दक्षिण अफ्रीका एक सौ तीनवें स्थान है।दुनिया के अधिकांश देश अब मानने लगे हैं कि विकास एवं लोक नीतियों का सही मानदंड वास्तव में खुशहाली ही है। मौजूदा परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय सरकारों के साथ-साथ स्थानीय निकाय भी खुशहाली के मानदंडों को अपना कर नीति निर्माण की दिशा में बढ़ने को महत्त्व देने लगे हैं। सजग और उत्तरदायी सरकारें इस कोशिश में लगी हैं कि लोक नीतियों की ऐसी संरचना तैयार की जाए, जिससे नागरिकों के जीवन में खुशहाली का स्तर बढ़ाया जा सके। खुशहाली के मापन के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क ने छह मानदंडों को अपनाया है।प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, लोक विश्वास, उदारता, जीवन विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता, स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और सामाजिक सहयोग को खुशहाली का पैमाना बनाया गया है। भारत की बड़ी विडंबना यह है कि खुशहाली और संपन्नता जैसे मुद्दे यहां कभी भी बहस का मुख्य विषय बन ही नहीं पाते। लिहाजा, खुशहाली सूचकांक में इतना पिछड़ने पर कहीं कोई चर्चा भी नहीं होती।खुशहाली सूचकांक में दूसरे देशों से भारत का पिछड़ना वास्तव में विचारणीय है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में हम दुनिया के विकसित देशों से बहुत पीछे हैं। देश में भ्रष्टाचार का क्या आलम है, यह किसी से छिपा नहीं है। खुशहाली मापन में उदारता को भी शामिल किया गया है। इतिहास गवाह है कि भारत के लोग और शासक कैसे उदार हुआ करते थे। महात्मा बुद्ध से लेकर महात्मा गांधी तक की उदारता की चर्चा आज भी दुनिया करती है। परंतु हमारे देश के लोग उदारता को अब शायद विसराने लगे हैं। धार्मिक उदारता को लेकर भी भारत पर अंगुलियां उठने लगी हैं।

इसी तरह जीवन विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता भी हकीकत में कम ही दिखाई देती है। अपनी पसंद के हिसाब से जीवन जीना महज कागजी ख्यालात भर है। स्वतंत्र जीवन जीने की पहली शर्त है आत्मनिर्भरता और व्यक्ति आत्मनिर्भर तभी होगा जब वह आर्थिक रूप से संपन्न होगा। व्यक्ति जब अपनी पसंद से जीता है, तभी वह खुश भी रह पाता है। जीवन प्रत्याशा भी खुशहाली मापक का एक तत्व है।जीवन प्रत्याशा इस बात का द्योतक है कि मानव संसाधन पर निवेश कितना किया गया है। भारत में वर्ष 2020 में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.5 वर्ष और महिलाओं की 69.8 वर्ष थी। जबकि फिनलैंड जैसे सबसे खुशहाल देश में औसत जीवन प्रत्याशा 81.1 वर्ष है। भारत में जीवन प्रत्याशा का लगातार कम होना भी खुशहाली सूचकांक में हमारे स्थान को प्रभावित करता है।सवाल है कि भारत खुशहाली के वैश्विक पायदान में ऊपर कैसे आए? कैसे हम दुनिया को यह संदेश दें कि हम भी किसी से कम खुशहाल नहीं हैं। जाहिर है, इसके लिए व्यवस्थागत स्तर पर आमूलचूल बदलावों के साथ प्रयास करने होंगे। भ्रष्टाचार, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य जैसी चुनौतियों से निपटना होगा। नौजवानों को रोजगार देना होगा। भारत में आज बेरोजगारी चरम पर है। देश की युवा आबादी के लिए यह संकट कम गंभीर नहीं है।बेरोजगारी के कारण नौजवान पीढ़ी हताशा और अवसाद में डूब रही है और इसकी दुखद परिणति आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के रूप में देखने को मिल रही है। ये सब सरकार की नीतिगत खामियों का नतीजा है। अगर भारत को खुशहाल बनाना है तो हमें उन छोटे-बड़े देशों से सबक लेना चाहिए जिनकी प्राथमिकता अपनी जनता का दर्द दूर करना होती है।

एक टेलीमार्केटर वह शख्स है जो कि फोन पर किसी उत्पाद या सेवा को बेचने के लिए जिम्मेदार होता है। टेलीमार्केटर्स प्राइवेट ऑफिस, कॉल सेंटर या घर से भी काम कर सकते हैं। चूंकि टेलीमार्केटर्स अपने ग्राहकों से फेस-टू-फेस नहीं मिलते हैं इसलिए अच्छी टेली मार्केटिंग स्किल होना बहुत जरूरी है। अच्छा टेलीमार्केटर बनने के लिए आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

अच्छा टेली टेलीमार्केटर बनने के लिए जरूरी है स्किल

जो आप बेच रहे हैं उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। आपको इस बात की अच्छी समझ होनी चाहिए कि यह क्या है, कैसे काम करता है और किस तरह से संभावित ग्राहकों के लिए उपयोगी है। इसके अलावा, जो आप बेच रहे हैं उसे लेकर आपमें विश्वास होना जरूरी है।

जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी रखें। एक अच्छा टेलीमार्केटर केवल उत्पाद या सेवा नहीं बेचता बल्कि वह कंपनी का भी प्रतिनिधित्व करता है। आपको यह बताने योग्य होना चाहिए कि ग्राहकों को उनके प्रतिद्वंदियों की बजाए उन्हें क्यों चुनना चाहिए। कंपनी का इतिहास, उसकी सोच, मिशन, ग्राहकों के रिव्यूज और इंडस्ट्री रेटिंग्स पता होना चाहिए। आप यह समझें कि सेल्स प्रोसेस क्या है। इसमें क्लोजिंग पेपरवर्क, बिलिंग, शिपिंग, रिफंड/रिटर्न पॉलिसी, कस्टमर सर्पोट और उन्हें जरूरी फॉलोअप शामिल है। अपनी स्क्रिप्ट की प्रैक्टिस कर लें। जब तक आप इसमें सहज न हो जाएं इसे तेज पढ़े।

कॉन्फिडेंस दिखाएं

एक अच्छा टेलीमार्केटर अधिकार से बोलता है जिससे ग्राहकों के दिमाग में बात अच्छे से चले जाती है। अगर आपकी तैयारी पूरी है तब आपको आपके कॉल करने और आपकी कंपनी के बारे में विश्वास के साथ बात करना चाहिए।

प्रभावी हो कम्युनिकेशन स्किल्स

धीरे लेकिन तेज और साफ बोले ताकि आपके कस्टमर को बात आसानी से समझ आ जाएं। बुदबुदाएं नहीं। अपना परिचय दें और बातचीत में जितनी जल्दी हो सके कॉल का मकसद बताएं। रूके और आगे बढ़ने के लिए उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार करें। बहुत ज्यादा या बहुत कम बोलने से बचे बल्कि संतुलित वार्तालाप करें। बहुत ज्यादा फिलर्स का उपयोग करने से बचें।

सपाट न हो टोन

टेलीमार्केटिंग में स्क्रिप्ट्स बहुत आम बात है विशेषकर कॉल सेंटर के माहौल में। लेकिन यह संभव है कि आप उस तरह बोले कि ऐसा न लगे कि आप पेपर से पढ़कर बोल रहे हैं। धीरे-धीरे सांस लें और कॉल करने से पहले रिलेक्स हो जाएं।

पॉजिटिव हो मेंटल एटिट्यूड

याद रखे कि कुछ लोग आपका कॉल एक्सपेक्ट नहीं कर रहे होंगे और इसके लिए ग्रहणशील न हो। इसमें कोई नई बात नहीं है कि आपकी बात में एक रूचि लेने वाले ग्राहक के पहले कई ग्राहक अच्छे टेलीमार्केटर को भी रिजेक्ट कर देंगे। इसलिए इस रिजेक्शन को व्यक्तिगत तौर पर न लें और इसे टेलीमार्केटिंग स्किल्स को पॉलिश करने का एक मौका समझें।

हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं इमोशंस

खुशी, दुख, चिंता, गुस्साये हर इमोशन आपके किसी न किसी तरह के काम में आपकी परफॉर्मेंस के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं इन इमोशसं का अधिक प्रभावी ढ़ंग से किस तरह उपयोग किया जाए। हालांकि हमने इस बारे में नहीं सोचा होगा कि जो कि काम हम करते हैं, भले ही वह कलिग के ई-मेल का जवाब देना हो या सप्लायर के साथ निगोशिएशन करना हो, हम कई तरह के इमोशंस जैसे खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा, गर्व, उत्साह अपने अंदर पाते हैं। कई बार यह इमोशंस हमें हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं। आइए जानते हैं

चिंता : प्रेजेंटेशन झ के लिए तैयार

हमें चिंता भले ही निगेटिव इमोशन लगे लेकिन यह एक हाई अलर्ट है और हम अपने राह में आने वाले सभी चीजों के लिए तैयार रहते हैं। अब भले ही वह हमारा प्रेजेंटेशन हो या सेल्स कॉल। आप भले ही इस चिंता के भाव से दूर जाना चाहते हों लेकिन एक बार आप इसके फायदें जान लेंगे तो इसके लिए आभारी रहेंगे। अगले बार जब भी आप नर्वस या चिंता महसूस करें तो यह छुपा हुआ रिएक्शन देखें 'नहीं, मैं नर्वस नहीं हूं। मैं अलर्ट हूं और प्रतिक्रिया के लिए तैयार हूं।'

अच्छा महसूस होना : क्रिएटिविटी में फायदा

एक पॉजिटिव मूड नई बातें सीखने, क्रिएटिव होने और कम क्रिटकिल होने में उपयोगी साबित होता है। पॉजिटिव इमोशन से क्रिएटिविट झलकती है। अगर आप कम महत्वपूर्ण चीजों को आसानी से करना चाहते हैं तो पॉजिटवि मूड मदद कर सकता है। आपने नोटिस किया होगा कि जब आप कोई फैसला लेने वाले होते हैं तो अच्छे मूड में ही होते हैं। अपनी आंखे बंद कीजिए और उन चीजों को याद करें जो आपको आमतौर पर खुशी देती है जैसे कोई पसंदीदा टीवी शो, दोस्त के साथ बातचीत, किताब पढ़ते हुए रिलेक्सेशन, एक अच्छा जोक।

गुस्सा : एक्शन में तब्दील

पागलपन और गुस्सा आना भले ही निगेटिव इमोशन है लेकिन यह किसी व्यक्ति, वस्तु या आइडिया पर एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए एक स्टोर का मालिक लाभ के सामान की कीमतें बढ़ा देता है। लेकिन ऐसा करके वह अपना विश्वास चोटिल कर देता है जो कि उसने अपने ग्राहकों के दिमाग में बनाया था। वह डरता है कि बढ़ती कीमत की वजह से ग्राहकों की नाराजगी बढ़ेगी जो कि वह अवॉइड करना चाहता है। डर की बजाए गुस्से को सोर्स मानना उसकी मदद कर सकता है।

दुख : आलोचनात्मक सोच

इस इमोशन के कई सरप्राइजिंग इफेक्ट्स है। जब हम दुखी होते हैं तो हम डिसीजन मेकिंग में पूर्वाग्रह में रहते हैं। दुख हमें ज्यादा अच्छी सोच और आलोचनात्मक सोच प्रदान करता है। यानी दुख भी एक वास्तविक स्त्रोत हो सकता है।

आप भी बन सकते हैं बैंक में स्पेशलिस्ट ऑफिसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) कुछ ही दिनों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्पेशलिस्ट ऑफिसर्स की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। इस परीक्षा में चयनित होने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। फिर रिटन एग्जाम और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार होगी। इस परीक्षा का प्रश्नपत्र 4 भागों में बंटा होता है : रीजनिंग, इंग्लिश लैंग्वेज, प्रोफेशनल नॉलेज तथा बैंकिंग के विशेष संदर्भ में जनरल अवेयरनेस (केवल लॉ ऑफिसर स्केल 1 व 2 तथा राजभाषा अधकिारी हेतु)/ क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड (अन्य सभी स्पेशलाइजेशंस हेतु)। चलिए, जानते हैं कि इन सेक्शंस में किस तरह अच्छा स्कोर किया जा सकता है।

इंग्लिश लैंग्वेज

यह इस परीक्षा का सबसे स्कोरिंग सेक्शन है। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ग्रामर तथा लैंग्वेज पर अच्छी पकड़ जरूरी होती है। आपके ग्रामर संबंधी कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होने चाहिए। साथ ही आपकी वोकैब्युलरी भी मजबूत होनी चाहिए। इस सेक्शन में आम तौर पर पैसेज बेस्ड क्वेश्चन, कॉमन एरर इन सेंटेंस, रैपिड फिलर, क्लोज टेस्ट, एंटॉनिम्स एंड सिनॉनिम्स शामिल होते हैं।

क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड

इस सेक्शन के प्रश्नों को हल करने के लिए उम्मीदवार को परीक्षा में शामिल किए गए सभी टॉपिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ ही इस सेक्शन में स्पीड भी महत्वपूर्ण होती है। ध्यान रहे, इस सेक्शन में कोई भी प्रश्न छोड़ें नहीं। इसकी तैयारी के दौरान किसी भी टाइप के प्रश्न को कम न आंकें। यह कभी नहीं कहा जा सकता कि किस साल किस टाइप के प्रश्नों को इस परीक्षा में ज्यादा महत्व मिल जाए। इसमें आम तौर पर नंबर सिस्टम, रेश्यो, प्रॉफिट-लॉस एंड डिस्काउंट, पर्सेंटेज, एवरेज, डेटा इंटरप्रिटेशन, टाइम एंड वर्क आदि से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया डेटा इंटरप्रिटेशन के प्रश्नों पर अधकि जोर देता है।

रीजनिंग एप्टिट्यूड

रीजनिंग सेक्शन की तैयारी के लिए मानसिक सतर्कता और लॉजिकल स्किल जरूरी है। इस सेक्शन में पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रकृति समझने के लिए मॉडल पेपर तथा पिछले वर्षों के पेपर हल करें। इसमें वर्बल एंड नॉन-वर्बल रीजनिंग के टॉपिक शामिल होते हैं, जैसे एनालॉजी, इनपुट-आउटपुट, क्लासिफिकेशन, इंफेरेंस आदि।

प्रोफेशनल नॉलेज

यह आपको अपना कंफर्ट जोन लग सकता है क्योंकि इसमें आपकी स्ट्रीम या स्पेशलाइजेशन से संबंधति प्रश्न ही पूछे जाएंगे। यहां भी आपके बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर होने से आप फायदे में रहेंगे।

जनरल अवेयरनेस

जनरल अवेयरनेस सेक्शन की तैयारी के लिए तो आपको लगातार समसामयिक घटनाओं से अपडेटेड रहना होगा। नियमित रूप से अखबार पढ़ते रहें। साथ ही बैंकिंग संबंधी ताजा घटनाक्रम पर नजर रखें।

बेहतर लाइफस्टाइल व स्किल्ड जॉब्स के लिए करें बीवोक कोर्स

बैचलर ऑफ वोकेशन डिग्री उन युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर कारगर साबित होता है जो अच्छी नौकरी और बेहतर लाइफस्टाइल के नवीन अवसरों व स्किल्ड जॉब्स की तलाश में रहते हैं।

सभी लोग एजुकेशन के बाद अच्छी नौकरी, वेतन और करियर के साथ बेहतर भविष्य चाहते हैं। इसके लिए छात्र देश से लेकर विदेश तक जाकर पढ़ाई भी जमकर करते हैं। क्योंकि जितनी अच्छी नौकरी होगी, उतना अच्छा जीवन होगा। अच्छे करियर के लिए ज्यादातर स्टूडेंट्स साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या मैथमेटिक्स स्ट्रीम को चुनते है। इसकी एक सबसे बड़ी वजह है कन्वेंशनल इंजीनियरिंग डिग्री में सभी तरह के इम्पोर्टेन्ट अध्यन का न मिल पाना। इसी अपूर्ण को पूर्ण करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सो के माध्यम से स्टूडेंट्स को बीवोक कोर्स कराता है। जिस से सभी स्टूडेंट्स अपने स्किल को डेवलप कर अपना करियर बना सकें।

क्या है बीवोक कोर्स

यह एक तीन साल का डिग्री कोर्स होता है, जिसे विभिन्न विषयों जैसे होटल मैनेजमेंट, मेटल कन्स्ट्रक्शन, उद्यमिता विकास, हेल्थकेयर में स्किल डेवलप कराया जाता है। इसका का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है और छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण के साथ विभिन्न आधुनिक क्षेत्रों में कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है। इससे युवा अपने भीतर छिपे हुए हुनर को विकसित कर पाएंगे।

बीवोक कोर्स करने की योग्यता

यह कोर्स आप 10वीं के बाद भी कर सकते हैं, बशर्ते आपको दसवीं के बाद 2 साल की आईटीआई का कोर्स करना होगा, उसके बाद आप वोकेशन कोर्स कर सकते है। वहीं अगर आप 12वीं के बाद करना चाहते हैं, लेकिन कुछ सब्जेक्ट्स के लिए आपकी स्ट्रीम उस सब्जेक्ट से संबंधित होनी चाहिए। वोकेशन कोर्स की एडमिशन हर साल होता है, इसके लिए आपको इंटर्नशिप एग्जाम देना आवश्यक है। इंटर्न्स एग्जाम पास होने वाले स्टूडेंट्स का ही एडमिशन लिया जाता है। इस कोर्स में 3 साल में 6 सेमेस्टर होते है और हर सेमेस्टर में आपका एग्जाम होता है तथा आपको हर सेमेस्टर में एग्जाम पास करने के बाद आपको सर्टिफिकेट दिया जाता है। अगर आप किसी कारणवश पहले साल में इस कोर्स को छोड़ देते है तो आपको डिप्लोमा का सर्टिफिकेट भी मिलता है। वहीं तीनों साल को पूरा करेंगे तो आपको ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त होगी।

बीवोक कोर्स क्यों करें

आज के समय में छात्र अपनी स्किल डेवलप करने वाले कोर्स करने के लिए विदेश जाते हैं, क्योंकि वहां जो भी पढ़ाई होता है स्किल बेस्ड होता है। हमारे देश की सबसे बड़ी कमी है कि हम जो भी पढ़ाई करते हैं उसमें हमें जरूरी स्किल नहीं मिल पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी अपने विभिन्न कोर्सेज के जरिए बच्चों को स्किल्ट्रेनिंग प्रदान करना चाहती है जिससे सभी विद्यार्थी एक बेहतर भविष्य के लिए पूर्ण रूप से तैयार हो पाए।

बीवोक कोर्स कैसे करे

आज का समय बीवोक कोर्स का है। क्योंकि एक समान होटल मैनेजमेंट या सामान्य इंजीनियरिंग की डिग्री इतनी वैल्यू नहीं रखती जितनी एक बीवोक डिग्री होती है। इसका कारण है, इसमें पढ़ाई के साथ-साथ आप स्किल्स भी सीख लेते हैं। इसमें आप विभिन्न सब्जेक्ट जैसे कि हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, आर्ट्स, कॉमर्स, डेयरी फार्मिंग कोर्स कर सकते हैं। वहीं टेक्निकल कोर्सेज जैसे मेडी कंस्ट्रक्शन और टेक्नीशियन जैसे कोर्स भी होते हैं। इसमें छात्रों को बेहतर ट्रेनिंग के लिए मशीन दी जाती है। हर छात्र काम की बारीकी को अच्छे से समझ सके इसके लिए स्विस ट्रेनर की निगरानी में हर छात्र को व्यक्तिगत तौर पर मशीन पर ट्रेनिंग दी जाती है। हर वर्ष छात्र को 6 महीने यूनिवर्सिटी में और बाकी 6 महीने इंडस्ट्री में ट्रेनिंग दी जाती है।

बीवोक कोर्स के बाद सैलरी

सभी चाहते हैं कि पढ़ाई पूरी होने के बाद एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिले। वोकेशनल कोर्स करने के बाद आप किसी भी कंपनी में फ्रेशर के तौर पर 20,000 से 30,000 से नौकरी शुरू कर सकते हैं। जिसके बाद आप अनुभव व अपने स्किल के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

मुख्य संस्थान

- एसएमएस, लखनऊ
- एचआईएमसीएस, मथुरा
- एचआईटीएस, चेन्नई
- जैन यूनिवर्सिटी, बंगलौर
- पारूल यूनिवर्सिटी

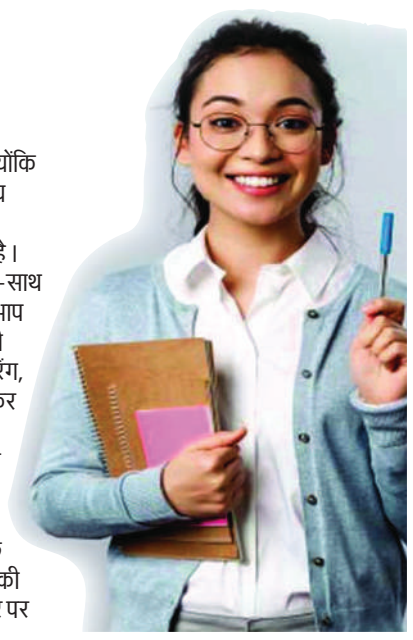

चाहकर भी नहीं रह पाते हैं पॉजिटिव, तो ये काम करें

कई बार हम सकारात्मक सोचने का निर्णय लेते हैं, लेकिन कुछ ही समय में हमारा व्यवहार पहले जैसा हो जाता है। आइए जानें ऐसी पांच बातें, जिनसे हमें हमेशा सकारात्मक रहने में मदद मिलेगी।

जो पाना है, उस पर फोकस

हमारी एक गलती से नकारात्मकता हमारी विचार प्रक्रिया में शामिल हो जाती है और वह है एक ही बात के बारे में बार-बार सोचना। किसी भी चीज का परिणाम क्या होगा, यह सोचकर अपना समय बर्बाद करने से अच्छा है कि हम इस बात पर फोकस करें कि हमें क्या अचीव करना है। इससे हमारा काम बेहतर होगा।

समस्या के साथ सीख

हर समस्या में हमारे लिए एक सीख छिपी होती है और हमें उस सीख को समझकर हमेशा के लिए उसे गांठ बांध लेना चाहिए। हम समस्या से घबराकर नकारात्मक सोचना शुरू कर देते हैं और उल्टे-सीधे कयास लगाते हैं, जिससे समस्या वास्तविकता से ज्यादा बड़ी लगने लगती है। अगर हम सीख को याद रखकर आगे उस पर अमल करें, तो यह हमारे अनुभव को समृद्ध करने का काम करेगा।

खुद की सराहना

दूसरों के अच्छे काम की तारीफ तो हम सब करते हैं, लेकिन अपने किए हुए अच्छे काम पर शायद ही हम खुद को शाबाशी देते हों। छोटी-से-छोटी चीजों को भी अचीव करने पर हमें खुद की सराहना करनी चाहिए। इससे हमारी विचार प्रक्रिया पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास

खुद की क्षमता पर हमेशा भरोसा रखें। खुद पर से आपका विश्वास जितना डगमगाएगा, आपके जीवन में नकारात्मकता भी उतनी ही बढ़ती जाएगी। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि कोई काम आप नहीं कर सकते। हमेशा इस पर फोकस करें कि वह काम आप तय समय में कैसे करेंगे।

अपने रवैये का विश्लेषण

अगर आपको खुद की कोई आदत अच्छी नहीं लगती और न चाहते हुए भी आप बार-बार उसे दोहरते हैं, तो उसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। ऐसे व्यवहार से न सिर्फ हमारे अंदर, बल्कि हमारे आसपास भी नकारात्मकता बढ़ती है और लोग हमसे दूर भागते हैं।

रूस-यूक्रेन जंग : यूक्रेन का दावा- डोनेट्स्क के पास रेलवे स्टेशन पर

दागी गई क्रूज मिसाइल पर रूसी में लिखा था- यह बच्चों के लिए

कीव

रूस-यूक्रेन जंग को 45वां दिन है। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के क्रामटोरस्क में एक रेलवे स्टेशन पर रूस की क्रूज मिसाइल अटैक में 50 लोगों लोगों की मौत हो गई। जिस समय हमला हुआ, उस समय हजारों लोग यहां मौजूद थे। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि जो मिसाइल रेलवे स्टेशन पर गिरी उस पर रूसी भाषा में %ये बच्चों के लिए% लिखा हुआ था। हालांकि रूस ने इस हमले से साफ इनकार कर दिया है। उल्टा उसने यूक्रेन पर ही इस हमले का आरोप लगाया है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की हमले को वॉर क्राइम बताया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि इस हमले की जवाबदेही तय की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और स्लोवाक के प्रधान मंत्री एडुआर्ड हेगर ने

बीते रोज यानी 8 अप्रैल को यूक्रेन के बूचा शहर का दौरा किया। इससे पहले श्व ने युद्ध अपराध की जांच के लिए यूक्रेन को 7.5 मिलियन यूरो देने का ऐलान किया। यूक्रेन के बूचा शहर में नागरिकों पर अत्याचार की खौफनाक तस्वीरें के बाद रूस को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से बेदखल कर दिया गया। इस दौरान भारत ने रूसी राजदूत की अपील के बाद भी रूस के पक्ष में मतदान न करके वोटिंग से दरी बना ली। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत अमेरिका के पाले में भी जाता दिख रहा है। यूक्रेन के बाद से अमेरिका दूसरे देशों पर रूस के साथ व्यापार न करने का दबाव बना रहा है।

यूक्रेन को बख्तरबंद वाहन देगा ब्रिटेन

रूसी हमले का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों यूक्रेन को लगातार मदद भेज रहे हैं। इस क्रम में ब्रिटेन ने यूक्रेन को मास्टिफ बख्तरबंद वाहन देने का फैसला किया है। ब्रिटेन के रक्षा सचिव बेन वालेस ने 8 अप्रैल को इस बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही ब्रिटिश सैनिक ट्रेनिंग देने यूक्रेन जाएंगे। क्रेमाटोरस्क रेलवे स्टेशन पर हुए हमले में 5 बच्चों समेत 50 लोग लोगों की मौत हो गई। जबकि 16 बच्चों समेत 98 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक, अमेरिकी सेना को लगता है कि इस हमले में SS-21 स्क्रब मिसाइल का इस्तेमाल किया गया था।

देश में फिर डरा रहा कोरोना : अचानक केस बढ़ने पर 5 राज्यों में अलर्ट

गुजरात में एक्सई वैरिएंट का पहला मामला; एक्सएम का भी एक केस

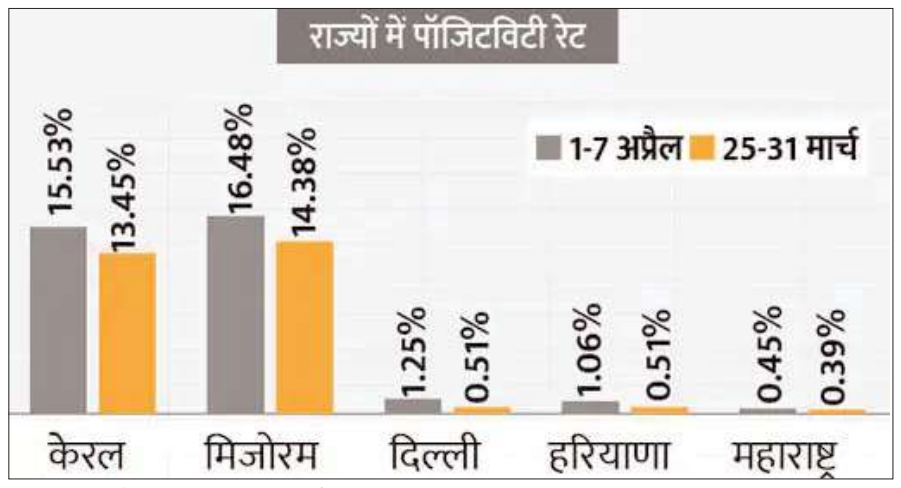

नई दिल्ली

चीन और अमेरिका में बढ़ते कोविड के मामलों के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने पांच राज्यों के लिए चेतावनी जारी की है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने दिल्ली, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र और मिजोरम की सरकारों को चिट्ठी लिखी है। इसमें स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों से सतर्कता बढ़ाने और संक्रमण की दर बढ़ने के कारणों की गंभीरता से जांच करने को कहा है। इस बीच, गुजरात में एक व्यक्ति के एक्सई वैरिएंट से संक्रमित होने की जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य में एक्सएम वैरिएंट के एक मामले का भी पता चला है। इस हफ्ते की शुरुआत में मुंबई की एक महिला के एक्सई वैरिएंट से संक्रमित होने की सूचना मिली थी। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसका खंडन कर दिया था।

18+ के सभी लोगों को तीसरा डोज लगेगा

कोरोना के नए वैरिएंट्स के खतरे के बीच सरकार ने ऐलान किया है कि 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को 10 अप्रैल से कोरोना वैक्सीन का तीसरा डोज लगाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे प्रिकॉशन डोज नाम दिया है। हेल्थ वर्कर्स ओर 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को यह मुफ्त लगाया जाएगा, जबकि बाकी वयस्कों को भुगतान करना होगा। यह प्राइवेट वैक्सीनेशन सेंटर्स पर लगाया जाएगा। यह डोज सिर्फ उन्हीं लोगों को लगाया जाएगा जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है और जिन्होंने दूसरा डोज 9 महीने या उससे पहले लगवाया था।

भारत में प्रिकॉशन डोज की क्यों जरूरत पड़ी

प्रिकॉशन डोज कोरोना वैक्सीन का ही तीसरा डोज है। इस डोज की आवश्यकता दुनियाभर में कोविड-19 के नए वैरिएंट के आने के बाद महसूस की गई। भारत में इस साल 10 जनवरी को फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारियों से ग्रसित 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज देना शुरू किया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोविड-19 वैक्सीनेशन का आंकड़ा 185.53 करोड़ के पार पहुंच चुका है। शुक्रवार की शाम 7 बजे तक वैक्सीन के 12 लाख से ज्यादा डोज लगाए गए। वहीं, 12 से 14 उम्र के बच्चों को वैक्सीन के 2.16 करोड़ से ज्यादा डोज लगाए जा चुके हैं।

क्यों चिंता में है केंद्र

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि इन राज्यों में डेली पॉजीटिविटी रेट बढ़ रहा है, यानी हर दिन मिलने वाले नए कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इसको देखते हुए राज्य सरकारें हालात की गंभीरता से समीक्षा करें और जरूरी होने पर कोविड-19 को लेकर नई गाइडलाइन भी जारी करें। एक ओर देश में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार कम हो रही है, लेकिन दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, केरल और मिजोरम में पिछले सात दिन में पॉजिटिविटी रेट अचानक बढ़ गई है। इसे लेकर ही केंद्र सरकार ने केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और मिजोरम को अलर्ट भेजा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में केरल में 353, महाराष्ट्र में 113, हरियाणा में 336 और मिजोरम में 123 मामले सामने आए हैं। देश के हालात देखें तो बीते 24 घंटे में कोरोना के 1,109 नए मामले सामने आए, जबकि 43 लोगों की मौत हुई है। गुरुवार को देशभर में कोरोना के 1,033 मामले दर्ज किए गए थे।

बिहार में दिनदहाड़े लोहे का पुल चोरी

सासाराम में सिंचाई विभाग के कर्मचारी बनकर पहुंचे चोर, जेसीबी से तोड़ा और ट्रक पर लादकर ले गए

रोहतास

बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में दिनदहाड़े लोहे का पुल चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर सिंचाई विभाग के कर्मचारी बनकर गांव में आए और जेसीबी से पुल तोड़ दिया। फिर गैस कटर से काटकर लोहा ट्रक पर लाद कर आराम से चलते बने। वहीं, विभाग को इस पूरी घटना की भनक तक नहीं लगी। चोरी के तीन दिन बाद विभाग ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। 47 साल पुराना पुल जिले के नासरीगंज

प्रखंड के अमियावर स्थित आरा मुख्य नहर पर बना था। पुल 100 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा था। बताया जा रहा है कि पुल में 500 टन लोहा था। चोर जब पुल तोड़ रहे थे, तब गांव वालों ने सवाल किया। इस पर चोरों ने कहा कि वे सिंचाई विभाग के कर्मचारी हैं, पुल जर्जर हो गया है। इसलिए इसे तोड़ा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि चोरों ने पुल को पहले जेसीबी से तोड़ा। फिर कटर से काटकर ट्रक पर लाद कर भाग गए। इसके बाद ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग से बात की, तब मामले का खुलासा हुआ। सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे और मामले में एफआईआर दर्ज करवाई।

हादसे में 12 लोगों की मौत के बाद बना था पुल:- ग्रामीण जीतेंद्र सिंह ने बताया कि पहले नहर पर कोई पुल नहीं था। लोग नाव से आर-पार जाया करते थे। साल1966 में यात्री से भरी नाव नहर के गहरे पानी में डूब गई। हादसे में करीब 12 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद 1972 से 1975 के बीच पुल का निर्माण करवाया गया। इस पुल के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने पर दूसरे पुल का निर्माण किया गया। अब पुराना लोहे का पुल इस्तेमाल नहीं किया जाता था।

न्यूज़ ब्रीफ

एक्टर विल स्मिथ पर बैन:अब ऑस्कर में 10 साल तक पार्टिसिपेट नहीं कर सकते

लॉस एंजेलिस। ऑस्कर सेरेमनी के दौरान हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ को कॉमेडियन क्रिस रॉक पर थप्पड़ मारना भारी पड़ गया है। एकेडमी मोशन ऑफ पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज (ऑस्कर) ने विल स्मिथ पर शुक्रवार को बैन लगा दिया। इस फैसले के बाद विल अगले 10 साल तक ऑस्कर के किसी भी कार्यक्रम में पार्टिसिपेट नहीं कर सकेंगे। एकेडमी के अध्यक्ष डेविड रुबिन ने कहा कि इस साल के ऑस्कर सेरेमनी के दौरान मंच पर क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने की वजह से यह फैसला लिया गया है। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने भी इस फैसले पर अपनी सहमति जताई है। डेविड ने कहा कि घटना के बाद विल को हॉलीवुड के डॉल्बी थिएटर में बैठने की अनुमति दी गई और उन्हें पुरस्कार भी दिया गया, जिसके बाद एकेडमी की आलोचना होने लगी थी। 27 मार्च को लॉस एंजेलिस के डॉल्बी थिएटर में 94वी ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी आयोजित हुई थी। इसी दौरान मंच पर कॉमेडियन क्रिस रॉक ने एक्टर विल स्मिथ की पत्नी जेडा पिंकेट की बीमारी को लेकर एक मजाक किया। मजाक से विल नाखुश हो गए और अपनी सीट से उठकर मंच पर जाकर क्रिस को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। साथ ही विल ने क्रिस को वॉर्निंग देते हुए कहा कि मेरी पत्नी का नाम कभी भी अपनी जुबान पर मत लाना। दरअसल, क्रिस रॉक ने विल स्मिथ की पत्नी एक्ट्रेस-सिंगर जेडा पिंकेट के गंजेपन को लेकर मजाक किया था। पिंकेट ने बीमारी की वजह से अपने बाल कटवाए थे। दरअसल, वो एलोपीशिया बीमारी से जूझ रही हैं, जिसकी वजह से सिर में जगह-जगह से बाल बिल्कुल गायब हो जाते हैं।

श्रीलंका में आर्थिक संकट :सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

राष्ट्रपति गोटबाया पर भी महाभियोग चलाने की तैयारी

कोलंबो

श्रीलंका में आर्थिक संकट के बीच भी राजनीतिक उथल पुथल थमने का नाम नहीं ले रही है। श्रीलंका के सबसे बड़े विपक्षी दल समागी जाना बालवेगया (स्छ्क्क) का कहना है कि वो सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। इसके साथ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे पर भी महाभियोग चलाने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ, श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को अपनी ब्याज दरों को दोगुना कर दिया। आर्थिक संकट की वजह से देश में महंगाई अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। देश के पास इंपोर्ट का भुगतान करने के लिए बहुत कम पैसा बचा है। अली साबरी ने एक बार फिर श्रीलंका के वित्तमंत्री का पद संभाल लिया है। इससे पहले उन्होंने

नियुक्ति के 24 घंटे में ही पद छोड़ दिया था। उनके बाद कोई और इस पद के लिए आगे नहीं आया, इसलिए उन्होंने वित्त मंत्री के बने रहने का फैसला किया। श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर गोपाल बागले का कहना है कि भारत श्रीलंका के लिए दोस्ती का हाथ आगे बढ़ता रहेगा। दोनों देशों के बीच का रिश्ता बहुत ही खास है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट की टाइमलाइन:- श्रीलंका में पिछले एक महीने से आर्थिक संकट बना हुआ है। श्रीलंका में रुपए की कीमत में तेजी से गिरावट आ रही है और देश 51 अरब डॉलर के कर्ज में डूब गया है। आइए जानते हैं कि पिछले एक हफ्ते में श्रीलंका में क्या कुछ हुआ.. गोटबाया सरकार ने 1 अप्रैल को देश में इमरजेंसी लगाई। इसके बाद से ही इसका भारी विरोध शुरू हुआ।

3 कस्टमर को लेकर उड़ा स्पेस एक्स का रॉकेट एक टिकट की कीमत 417 करोड़ रुपए

वाशिंगटन

एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने अंतरिक्ष में एक और इतिहास रचने वाली उड़ान भरी है। यह पहला स्पेस टूरिज्म मिशन है। ड्रुस्स के लिए पहला पूरी तरह से प्राइवेट मिशन शुक्रवार को फ्लोरिडा से रवाना हुआ। स्पेस स्टेशन के लिए चार मेंबर्स वाले क्रू ने स्पेस एक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट में उड़ान भरी। इसमें तीन कस्टमर और नासा के एक पूर्व एस्ट्रोनॉट शामिल थे। 10 दिन के इस टूर के लिए एक सीट की कीमत करीब 417 करोड़ रुपए बताई जा रही है।अंतरिक्ष के लो अर्थ ऑर्बिट में सैर के लिए स्पेस एजेंसी नासा, स्टार्ट अप कंपनी एक्सिओम और स्पेसएक्स ने तीन-तरफा साझेदारी की थी।

कश्मीर में आतंक के खिलाफ मेगा ऑपरेशन

अनंतनाग में लश्कर का बड़ा कमांडर निसार ढेर, कुलगाम में भी एक आतंकी मारा गया

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का मेगा ऑपरेशन जारी है। यहां अनंतनाग में हुए एक एनकाउंटर में उत्तरी कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर रहा निसार डार मारा गया है। वहीं, कुलगाम में भी लश्कर का एक स्थानीय आतंकी मारा गया है। सुरक्षाबलों के ऑपरेशन के दौरान साउथ कश्मीर के कई इलाकों में इंटरनेट बैन कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि अनंतनाग के सिरहामा में कई आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। वहां सर्च अभियान चलाया जा रहा है। अनंतनाग में लश्कर का एक आतंकी और कुलगाम में जैश-ए-मोहम्मद के कुछ आतंकी छिपे हुए हैं।

मिलिट्री और पुलिस का जॉइंट ऑपरेशन

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार तड़के मिलिट्री और पुलिस ने दोनों ही जगह जॉइंट ऑपरेशन शुरू किए थे। इन जगहों पर कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, कुलगाम में 2 से 4 और अनंतनाग में करीब 4 आतंकी मौजूद हैं, जिनके साथ एनकाउंटर शनिवार सुबह तक जारी था।

आतंकी निसार डार कौन था?

निसार डार जम्मू-कश्मीर के उत्तरी जोन में लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर था। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। पुलिस के टॉप अधिकारी ने बताया कि डार मई 2021 से लगातार आतंकी गतिविधियों में शामिल था। डार बाला कुलगाम के रेडवानी का रहने वाला था।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने 2024-25 में भारत के खिलाफ सीरीज के लिए तारीखें बचा कर रखी हैं : रमीज राजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा दुबई में चल रही ढ्ढष्ट बैठक के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली से मुलाकात करेंगे। वह उनसे भारत से साथ बाईलैटरल सीरीज के साथ ही 4 देशों की टी-20 नेशन सुपर सीरीज और एशिया कप को लेकर भी बात करेंगे। राजा ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा था कि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से दर्शकों को दूर रखना सही नहीं है। राजा ने कहा कि पाकिस्तान ने 2024-25 में भारत के खिलाफ बाईलैटरल सीरीज के लिए तारीखें बचा रखी हैं। हम चाहते हैं कि राजनीति को क्रिकेट से दूर रखा जाए। दर्शकों को भारत-पाक के बीच क्रिकेट देखने से वंचित करना सही नहीं है।

टी-20 नेशन सुपर सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया तैयार:- टी-20 नेशन सुपर सीरीज के लिए चार देशों में पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड की टीम शामिल होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस प्रस्तावित सीरीज के लिए हामी भर दी है। जबकि, भारत और इंग्लैंड के जवाब का पाकिस्तान को इंतजार है। पीसीबी को उम्मीद है कि बैठक में वह अन्य देशों को इस सीरीज के लिए समझा पाने में सफल होंगे। चूंकि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने 24 साल बाद पाकिस्तान का दौरान किया है। इसका सफल आयोजन किया गया। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे पर पाकिस्तान के साथ टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज खेली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 1998 में पाकिस्तान का दौरा किया था।

बैटिंग पिच थी, बल्लेबाजी गड़बड़ा गई; राहुल तेवतिया के छक्कों ने कसर पूरी कर दी : संजीव पठानिया

नई दिल्ली। आईपीएल -15 में शुक्रवार को पंजाब किंग्स इलेवल और गुजरात टाइटन्स के बीच मुकाबला खेला गया, जिसे किंग्स हार गए। नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला से कोचिंग में डिप्लोमा होल्डर क्रिकेट कोच संजीव पठानिया ने मैच के बाद पंजाब किंग्स के प्रदर्शन का विश्लेषण किया है। वह चंडीगढ़ सेक्टर 16 क्रिकेट स्टेडियम में कोच हैं। संजीव पठानिया के मुताबिक, एक अच्छे ट्रैक पर पंजाब किंग्स की टीम ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। टीम जिस तरह से शुरुआत में खेलने उतरी थी, उस प्रदर्शन को आगे बरकरार नहीं रख पाई। यह अच्छा बैटिंग ट्रैक था। किंग्स की शुरुआत अच्छी थी। इसके हिसाब से उन्हें स्कोर 225 से 230 तक खींचना चाहिए था। बीच में टीम की बल्लेबाजी गड़बड़ा गई। गुजरात की टीम ने मैच के अंतिम ओवर्स में शानदार हिट्स मारे। इसका फायदा टीम को मिला। कुल मिला कर गुजरात टाइटंस ने ऑलरांउड प्रदर्शन किया। उनके बल्लेबाजों के शानदार हिट्स के अलावा गेंदबाजों ने भी कमाल दिखाया। इसमें राशिद खान द्वारा ली गई 3 विकेट काफी अहम रही। कोच पठानिया ने बताया कि कल के मैच में शुभमन गिल (96) और राहुल तेवतिया पूरी फार्म में थे। इसका फायदा गुजरात टाइटंस को मिला।

थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी : साहनी की थुआमचेरोन पर दमदार विजय, जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी (48 किग्रा) ने स्थानीय दावेदार नटहाफोन थुआमचेरोन पर आसान जीत के साथ फुकेट में थाईलैंड ओपन का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय मुक्केबाज ने अपने दमदार मुक्कों से तीनों दौर में दबदबा बनाते हुए 5-0 से जीत दर्ज की। अमित पंघाल (52 किग्रा) और मोनिका (48 किग्रा) को हालांकि फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता पंघाल को फिलिपीन्स के रोगेन लेडन के खिलाफ बेहद कड़े मुकाबले में खंडित फैसले में 2-3 से शिकस्त का सामना

करना पड़ा। दोनों मुक्केबाजों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत के 26 साल के पंघाल ने पहला दौर जीता लेकिन लेडन अगले दो दौर जीतकर मुकाबला अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरी तरफ मोनिका को भी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद स्थानीय मुक्केबाज चुटामस राक्सा के खिलाफ 0-5 की हार के साथ रजत पदक मिला। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल छह पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को मनीषा (57 किग्रा), पूजा (69 किग्रा) और भाग्यवती कचारी (75 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत ने एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल आठ पदक जीते थे। शनिवार को ही आशीष कुमार, अनंत प्रह्लाद चोपाडे, वरिंदर सिंह और सुमित भी स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

कोरिया ओपन में भारतीय चुनौती खत्म, सियोंग ने लगातार चौथी बार सिंधु से जीतीं

श्रीकांत जोनाथन क्रिस्टी से लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में हारे

कोरिया

कोरिया ओपन सुपर 500 में भारत की चुनौती खत्म हो गई है। पीवी सिंधु विमेंस सिंग्ल्स में हार गई हैं। वहीं पुरुष सिंग्ल्स के सेमीफाइनल में श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को साउथ कोरिया की आन सियोंग ने 14-21, 17-21 से हराया। 48 मिनट चले खेल में कोरियाई खिलाड़ी की शुरुआत शानदार रही। उन्होंने पहले गेम में शुरुआत में 6-1 की बढ़त ले ली थी। हालांकि, सिंधू ने वापसी का करते हुए स्कोर 9-9 की बराबरी की, लेकिन वह फिर पिछड़ गईं और इस गेम को 21-14 से सियोंग ने जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में सिंधु ने अच्छी शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन सियोंग ने लगातार 5 अंक के साथ स्कोर को 5-3 कर दिया। सिंधू ने फिर स्कोर 9-9 की बराबरी की और

फिर सियोंग ने 11-9 की बढ़त बना ली। अंत में 21-17 से सिंधु को हार का सामना करना पड़ा।

सियोंग पहली बार घरेलू टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। सियोंग के खिलाफ सिंधू की यह लगातार चौथी हार है।

श्रीकांत को फिर सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा

एक बार फिर श्रीकांत सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट जोनाथन क्रिस्टी ने 50 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 16-21 से हराया। पिछले महीने भी श्रीकांत को क्रिस्टी के खिलाफ स्विस ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

पहले गेम में अच्छी शुरुआत:- श्रीकांत ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई और वह एक समय 11-8 से आगे थे। क्रिस्टी ने हालांकि वापसी करते हुए 13-13 के स्कोर पर बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद स्कोर 17-17 हुआ। क्रिस्टी ने स्मैश और शानदार रिटर्न के साथ दो गेम पॉइंट हासिल किए और अंत में क्रिस्टी ने 21-19 से पहला गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में क्रिस्टी ने बेहत्तर शुरुआत करते हुए 3-0 से बढ़त बनाई और जो अंत तक रही और 21-16 से गेम को जीत लिया।

ओडियन स्मिथ की एक भी यॉर्कर ना देख हैरान हुए जाफर हैरान

मुंबई

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर पंजाब किंग्स के हरफनमौला ओडियन स्मिथ को शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में एक भी यॉर्कर नहीं फेंकते देखकर %हैरान% हो गए। रोमांचक मुकाबले में राहुल तेवतिया ने आखिरी दो गेंदों में दो छक्के लगाकर गुजरात टाइटंस को पंजाब किंग्स के खिलाफ 6 विकेट से शानदार जीत दिलाई। जाफर ने तेवतिया की प्रशंसा की लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी नहीं करने के लिए स्मिथ की भी आलोचना की। जाफर ने ट्वीट किया कि चौथी गेंद पर ओडियन से महत्वपूर्ण ओवरथ्रो के कारण अतिरिक्त रन दिया और तेवतिया स्ट्राइक पर आए। ओडियन द्वारा 20वें ओवर में एक भी यॉर्कर को नहीं देखने के लिए हैरान हूं। गुजरात टाइटंस ने अच्छा किया, शुभमन गिल और राहुल तेवतिया तनाव में भी कूल रहे। इस बीच, भारत के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने कहा कि पंजाब किंग्स दिल तोड़ने वाली हार के बाद स्मिथ के अंतिम ओवर पर चर्चा करेगी। ओझा ने कू ऐप पर लिखा कि क्या खेल है! राहुल तेवतिया द्वारा दिखाया गया शानदार प्रदर्शन। लेकिन पंजाब किंग्स बल्लेबाज को रन आउट करते समय स्मिथ द्वारा दिए गए सिंगल पर चर्चा करेगा। अगर उसने ऐसा नहीं किया होता तो राहुल तेवतिया नॉन स्ट्राइकर के छोर पर बना रहता।

गुजरात इंटरनेशनल शतरंज : उज्बेकिस्तान के ओर्टिक बने विजेता

अहमदाबाद

तीसरे गुजरात इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का खिताब उज्बेकिस्तान के निगमटोव ओर्टिक नें अपने नाम कर लिया है । पहले स्थान के लिए ओर्टिक के अलावा भारत के नीलोत्पल दास और अनुज श्रीवात्रि भी 8.5 अंक बनाकर दावेदार थे पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ओर्टिक पहले तो नीलोत्पल दूसरे और अनुज तीसरे स्थान पर रहे । आखिरी राउंड मे पहले बोर्ड पर ओर्टिक और नीलोत्पल

दोनों के पास खिताब सीधे जीतने का मौका था पर परिणाम ड्रॉ रहा और खिताब टाईब्रेक से तय हुआ । दूसरे बोर्ड पर अनुज श्रीवात्री नें हमवतन श्रीहरी एलआर को पराजित करते हुए भारत मे अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया । 8 अंको पर तीन खिलाड़ी रहे पर टाईब्रेक के आधार पर भारत के एम आर वेंकटेश चौंथे ,उज्बेकिस्तान के आब्दिसलिमोव आब्दिमालिक पांचवे और भारत के मेहर चिन्ना रेड्डी छठे स्थान पर रहे । वहीं 7.5 अंक पर टाईब्रेक के आधार पर भारत के श्रीहरी एल आर सातवे , टॉप सीड परागुए के ग्रांड मास्टर नेऊरिस डेलगाड़ो आठवे ,भारत के स्टेनी जीए नौवे और हर्षा भारतकोठी दसवें स्थान पर रहे । भारत की अर्पिता मुखर्जी सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी रही ।

पंजाब को दोबारा हराकर राहुल तेवतिया का बयान आया सामने-जब खेल जीता जाता है तो अच्छा लगता है

मुंबई

राहुल तेवतिया एक बार फिर से पंजाब के लिए विलेन बनकर आए। पंजाब की टीम 19वें ओवर तक काफी मजबूत थी। गुजरात को छह गेंद पर 19 रन चाहिए थे। पंजाब को पहली ही गेंद पर विकेट भी मिल गई। लेकिन बल्लेबाजी करने आए तेवतिया ने सारा खेल बिगाड़ दिया। उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर लगातार छक्के लगाकर गुजरात को मैच जितवा दिया। मैच खत्म होने के बाद राहुल तेवतिया ने कहा कि जब खेल जीता जाता है तो अच्छा लगता है। अंतिम ओवर में सोचने के लिए बहुत कुछ नहीं था, हमें बस छक्के लगाने थे और यही मैं और डेविड (मिलर) बात कर रहे थे। आखिरी गेंद पर छक्का लगाने की कौन सी मानसिकता रखी, इस बाबत बोलते हुए राहुल ने कहाकि मुझे पता था (आखिरी गेंद पर छक्का) कि यह बल्ले के बीच से निकल

गया तो यह बाऊंड्री पार जाकर गिरेगा। मैंने पूर्व-चिन्तन किया, महसूस किया कि वह (ओडियन) मेरे लिए बाहर की ओर वाइड गेंदबाजी करेगा। गेंद वही आई और बल्ले से कनेक्ट हो गई। हमारा ड्रेसिंग रूम वास्तव में काफी ठंडा है। आशु भाई (नेहरा), गैरी कर्स्टन और सहयोगी स्टाफ ने वास्तव में अच्छा काम किया है। हमें सिर्फ योजनाओं को अच्छी तरह से क्रियान्वित करने और अच्छी तरह से समर्थन करने को कहा गया है। बता दें कि 2020 में भी राहुल ने पंजाब के मुंह से जीत छीन ली थी। उक्त मैच में राहुल राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे थे। पंजाब ने पहले खेलते हुए मयंकअग्रवाल के 50 गेंदों में 106 तो राहुल के 54 गेंदों में 69 रनों की बदौलत 223 रन बनाए थे। जवाब में राजस्थान ने संजू सैमसन के 85 रनों की बदौलत अच्छी शुरूआत की लेकिन आखिरी ओवरों में राहुल तेवतिया ने मैच का नक्शा ही बदल दिया। उन्होंने 31 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने पंजाब के तेज गेंदबाज शेल्डन कॉर्टेल की लगतार पांच गेंदों पर पांच छक्के भी बरसाए थे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

निवेशकों का इक्विटी फंड में बड़ा रुझानःमार्च में इक्विटी फंड में आया रिकॉर्ड 28,500 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। बीते मार्च महीने में इक्विटी फंड्स में 28,463 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जो अब तक का रिकॉर्ड है। इससे पहले दिसंबर में 24989 करोड़ के शुद्ध निवेश का रिकॉर्ड था।

फरवरी में आया था 19,705 करोड़ का निवेश:- एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में म्यूचुअल फंड की अन्य स्कीमों में जहां शुद्ध निकासी का रुख देखने को मिली, वहीं इक्विटी ओरिएंटेड स्कीमों में फरवरी की तुलना में 44.45 फीसदी ज्यादा शुद्ध निवेश आया। फरवरी के 19,705.27 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च में इक्विटी फंड में रिकॉर्ड 28,463 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ है। इसमें मुख्य भूमिका एसबीआई मल्टी कैप फंड के न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) की रही, जिसमें 8170 रुपए का निवेश आया।

कैबिनेट बैठक : अब राशन की दुकानों पर फोर्टिफाइड चावल मिलेगा, स्कीम पर सालाना 2700 करोड़ खर्च करेगी सरकार

नई दिल्ली। आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने राशन की दुकानों समेत अन्य माध्यम से फोर्टिफाइड चावल वितरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। स्वष्ट्र और स्टेट एजेंसीज ने सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 88.65 एलएमटी फोर्टिफाइड चावल की खरीद की है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इस स्कीम को 2024 तक तीन फेज में लागू किया जाएगा। स्कीम पर केंद्र सरकार के सालाना 2700 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पिछले साल 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि सरकार कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए मध्याह्न भोजन जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों को फोर्टिफाइड चावल वितरित करेगी। ठाकुर ने प्रधानमंत्री के कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की खबरों के बीच सरकार उनके आदेशों का पालन कर रही है।

फोर्टीफिकेशन क्या है?

फोर्टीफिकेशन एक ऐसी प्रोसेस है जिसके माध्यम से भोजन में आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी-12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों को ऐड किया जाता है। शॉर्ट टर्म में पोषण की समस्या को दूर करने के लिए ये एक प्रभावी रणनीति है।

सुपर ऐप की सफलता पर कंपनियों की राय जुदा-जुदा

नई दिल्ली

ग्राहकों तक पहुंचने का सबसे बेहतर तरीका कौन सा है, इस पर कंपनी जगत की राय बंटी हुई है। मतभेद इस पर कि विभिन्न श्रेणियों को एक साथ लाने वाले सुपर ऐप बनाए जाएं या अलग-अलग सेवाओं तथा सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखते हुए इस्तेमाल में सहूलियत पर जोर दिया जाए। टाटा समूह ने अपना सुपर ऐप टाटा न्यू कल पेश किया था। पेटीएम ने भी यही तरीका अपनाया था, लेकिन देश की दिग्गज दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने अलग-अलग ऐप का मॉडल अपनाया है। टाटा न्यू यात्रा और किराना से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, होटल में ठहरने, आभूषण, वित्तीय सेवाएं आदि बहुत सी सेवाएं मुहैया कराएगा। इसके पास 12 करोड़ ग्राहक होंगे और सभी डिजिटल परिसंपत्तियों में 8 करोड़ ऐप डाउनलोड होंगे। दूसरी तरफ भारती एयरटेल के तीन डिजिटल प्लेटफॉर्म- विंक म्यूजिक,

एयरटेल थैंक्स और एयरटेल एक्सट्रीम पर पहले ही 18.4 करोड़ सक्रिय मासिक उपयोगकर्ता हैं। एयरटेल थैंक्स का इस्तेमाल मोबाइल एवं ब्रॉडबैंड कनेक्शन के प्रबंधन एवं भुगतान में किया जाता है। एयरटेल एक्सट्रीम ओटीटी प्लेटफॉर्म है, जो फिल्म एवं अन्य सामग्री मुहैया कराता है। इसके प्रीमियम वर्जन को अपनी शुरुआत के पहले ही महीने में 6 लाख भुगतान वाले ग्राहक मिल चुके हैं। चीन में मैसेंजर सेवा वीचैट की भारी सफलता के बाद सुपर ऐप पूरी दुनिया का ध्यान खींच रहे हैं। चीन की 83 फीसदी आबादी हवाई टिकट खरीदने, बिल भुगतान, राइड शेयरिंग जैसी सेवाओं में वीचैट का इस्तेमाल कर रही है। सुपर ऐप एशिया में लोकप्रिय हैं। उदाहरण के लिए चीन में अलीपे, सिंगापुर में कार हेलिंग कंपनी ग्रैब या दक्षिण कोरिया में सर्च इंजन नेवर। लेकिन पश्चिम में सुपरऐप लोकप्रिय नहीं हुए हैं।

एयरटेल के अधिकारियों ने कहा कि सुपरऐप चीन जैसे अत्यधिक नियंत्रित बाजारों में काम करते हैं, जहां वैश्विक कंपनियों को आने की मंजूरी नहीं है और ग्राहकों के पास सीमित विकल्प हैं। उनका कहना है कि इन्हें भारत जैसे देश में सफल बनाना मुश्किल है। कंपनी के अधिकारी ने कहा था कि मार्केटिंग का एक तर्क सुपर ऐप के खिलाफ काम करता है। उन्होंने कहा था, %मार्केटिंग गुरु जैक ट्रोट ने अपनी पुस्तक %पोजिशनिंग% में कहा था कि कोई ब्रांड एक चीज के लिए ग्राहक के दिमाग में रहता है। इसलिए स्पॉटीफाई का मतलब संगीत है। अगर ये मैसेजिंग या भुगतान में भी होते तो ये इस मुकाम पर नहीं होते।% सलाहकार कंपनी टेक्नोपैक में उपभोक्ता, खाद्य एवं खुदरा कारोबार के अगुआ वरिष्ठ साझेदार अंकुर बिसेन ने कहा, %इस बारे में दुनिया में कोई नजीर नहीं है कि सुपरऐप सफल होंगे या नहीं। केवल चीन अपवाद है, जो बंद बाजार है। लेकिन यह बड़ी कंपनियों का क्लब होगा और इसे निवेश में सक्षम टाटा एवं रिलायंस जैसी बड़ी कंपनियां सफल बना सकती हैं।

जेट 2.0 की उड़ने की तैयारी

अक्टूबर तक फिर शुरू हो सकती है जेट एयरवेज

मई में मिल सकता है एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट

नई दिल्ली

इस साल सितंबर के अंतिम दिनों या अक्टूबर में जेट एयरवेज के विमान एक बार फिर उड़ान भरने के लिए तैयार होंगे। कंपनी के नए सीईओ ने संजीव कपूर ने कहा कि एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट के रिन्यूअन के बाद कंपनी जुलाई-सितंबर तिमाही में ही उड़ाने शुरू करने की योजना बना रही है। कंपनी को उम्मीद है कि सर्टिफिकेट मई की शुरुआत में मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मई के अंत में उड़ान परीक्षण शुरू हो सकता है।

अंतिम चरण में तैयारियां

संजीव कपूर ने उड़ान संबंधी तैयारियों को लेकर एक इंटरव्यू में बताया कि यह एक बहुत ही जटिल, लंबी और कठोर प्रक्रिया है और अब हम अंतिम चरण में हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सबकुछ सही हो। हम एयर ऑपरेटर परमिट (एओपी) के तैयार होने के कुछ और महीनों बाद परिचालन फिर से शुरू करने की उम्मीद करते हैं। अक्टूबर या उससे थोड़ा पहले तक परिचाल शुरू करने की हमारी योजना है। लेकिन कैसे भी उड़ाने शुरू करने में अभी हमें कुछ महीने और लगेंगे।

अकासा एयर भी मई-जून तक हो सकती है शुरू:- आकाश एयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ष्टश्वह्) विनय दुबे ने कुछ दिन पहले बताया था कि जून के महीने में एयरलाइन की पहली कमर्शियल उड़ान शुरू हो जाने की उम्मीद है। परिचालन शुरू होने के पहले 12 महीनों में उसकी योजना 18 विमानों का बेड़ा तैयार करने की है और उसके बाद हर साल एयरलाइन 12-14 विमानों को जोड़ती जाएगी।

क्यों बंद हुई थी जेट एयरवेज?

1990 के दशक की शुरुआत में टिकटिंग एजेंट से एंटरप्रेन्योर बने नरेश गोयल ने जेट एयरवेज की शुरूआत की थी। उन्होंने जेट एयरवेज की शुरूआत कर लोगों को एयर इंडिया का अल्टरनेटिव दिया था। एक वक्त में जेट के पास कुल 120 प्लेन थे। %दि ज्वॉय ऑफ फ्लाइंग% टैग लाइन के साथ ऑपरेशन करने वाली कंपनी जब पीक पर थी तो हर रोज 650 फ्लाइट्स का ऑपरेशन करती थी। हालांकि जब कंपनी बंद हुई तो उसके पास केवल 16 प्लेन रह गए थे। मार्च 2019 तक कंपनी का घाटा 5,535.75 करोड़ रुपए का हो चुका था। भारी कर्ज के चलते 17 अप्रैल 2019 को कंपनी बंद हो गई।

वृद्धि से ज्यादा महंगाई की फिकर

मुंबई

कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में पिछले 15 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ चुकी हैं। इसने करीब दो साल तक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की कोशिशों के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अब बढ़ती मुद्रास्फीति से जुड़े दबावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया कि वह समायोजन वाले अपने रुख में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। आरबीआई के इस रुख से बॉन्ड प्रतिफल 3 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने एकमत से रीपो दर को 4 फीसदी पर बनाए रखने का पक्ष लिया। हालांकि समायोजन वाला रुख भी बरकरार रखा गया है लेकिन उसमें शर्त लगाई गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि अब वह समायोजन वाले रुख को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, एमपीसी ने समायोजन वाले रुख को बरकरार रखने पर सहमति जताई, साथ ही मुद्रास्फीति को लक्षित दायरे में रखने के लिए रुख में बदलाव पर ध्यान देने की भी बात कही है। कुछ समय पहले दास ने कहा था कि अर्थव्यवस्था को सहारा देने और महामारी के असर को कम करने के लिए आरबीआई समायोजन वाले रुख को अभी बनाए रखेगा। दास के बयान इस बात का संकेत देते हैं कि सभी सदस्य रुख में बदलाव के पक्ष में दिख रहे हैं। एमपीसी के बाह्य सदस्य प्रोफेसर जयंत वर्मा ने पिछली चार बैठकों में समायोजन वाले रुख को बनाए रखने के खिलाफ अपना मत दिया था। दस ने कहा, प्राथमिकताओं में बदलाव के तहत अब हम वृद्धि के बजाय मुद्रास्फीति पर ध्यान देंगे। पिछले तीन साल से हमने वृद्धि को मुद्रास्फीति से आगे रखा था। इस बारे में समय की जरूरत के हिसाब से प्राथमिकता में बदलाव किया गया है।

एंड्रॉयड फोन यूजर्स सावधान:अल्फा क्लीनर जैसे 6 एंटीवायरस ऐप चुरा रहे थे यूजर का पर्सनल डेटा, आप भी तुरंत करें डिलीट

नई दिल्ली

गूगल ने प्ले-स्टोर से 6 ऐसे ऐप्स को हटा दिया है जो लोगों के फोन में वायरस पहुंचा रहे थे। यह खबर चेक प्वाइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट से आई है, जिसमें तीन रिसर्चर्स ने पाया कि हैकर्स ने एंटीवायरस ऐप्लिकेशन की आड़ में शार्कबॉट एंड्रॉयड स्टीलर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया, जो यूजर्स के पासवर्ड, बैंक डिटेल्स और अन्य पर्सनल जानकारी चुरा रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन मालवेयर वाले ऐप्स को 15,000 से भी ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका था। हालांकि अब गूगल ने इन सभी ऐप्स को अपने प्ले-स्टोर से हटा दिया है।

पहली बार देखा गया ऐसा मालवेयर:-चेक प्वाइंट रिपोर्ट के अनुसार यह मालवेयर एक जियोफेंसिंग फीचर और चोरी की टेक्नोलॉजी पर काम करता है, जो इसे बाकी मालवेयर से अलग बनाता है। यह डोमेन जनरेशन एल्गोरिथम नाम की किसी चीज का भी इस्तेमाल करता है, जो कि एंड्रॉयड मालवेयर की दुनिया में शायद ही कभी इस्तेमाल किया गया है।

गूगल प्ले स्टोर पर इन ऐप्स ने चुराया यूजर्स का पर्सनल डेटा:- एंटीवायरस ऐप्स जैसे दिखने वाले यह 6 मालवेयर ऐप्स ने 15,000 से अधिक यूजर्स को शार्कबॉट एंड्रॉयड मालवेयर से संक्रमित किया, जो क्रेडेंशियल्स और बैंकिंग जानकारी चुराते हैं।

ये वो 6 ऐप हैं जो कराप्टेड पाए गए:- इन एप्स के नाम इस प्रकार हैं। एटम क्लीन-बूस्टर, एंटीवायरस सुपर क्लीनर, अल्फा एंटीवायरस क्लीनर, पावरफुल क्लीनर एंटीवायरस, सेंटर सिक्योरिटी एंटीवायरस। इनमें से कोई भी ऐप यदि आप इस्तेमाल कर रहे हैं तो आपको तुरंत डिलीट करना चाहिए, क्योंकि आपके साथ बैंकिंग फ्रॉड हो सकता है और आपके पसीने की कमाई एक झटके में गायब हो सकती है।

धोनी, अमिताभ, दीपिका, सलमान... आलिया के आगे सब हैरान

नई दिल्ली

क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिनेत्री दीपिका पडुकोणे और देश के सिनेमा जगत में भाई के नाम से मशहूर सलमान खान को पीछे छोड़ते हुए, अदाकारा आलिया भट्ट हाल ही में क्रोल (पहले डफ ऐंड फेल्प्स) सेलेब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2021 में चौथे पायदान पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं। करीब 6.8 करोड़ डॉलर की ब्रांड हैसियत के साथ 29 साल की आलिया बॉलीवुड की सभी अभिनेत्रियों में सबसे दिग्गज ब्रांड हैं और शीर्ष 10 सेलेब्रिटी में सबसे कम उम्र वाली सेलेब्रिटी भी हैं। इस साल उनकी दो फिल्में इस साल रिलीज हुई हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी ने तो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और पिछले हफ्ते ही उनकी फिल्म %आरआरआर% भी रिलीज हुई है। आलिया के लिए ये तीन महीने काफी व्यस्तता भरे रहे। इसके अलावा भी इस साल के अंत तक या अगले साल %रॉकी और रानी की प्रेम कहानी%, %जी ले जरा% और %ब्रह्मास्त्र% जैसी फिल्में

रिलीज होने वाली हैं। आलिया के पास ब्रिटिश पासपोर्ट है और वह नेटफ्लिक्स की एक जासूसी फिल्म हर्ट ऑफ स्टोन के जरिये हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह मशहूर अभिनेत्री गल गडोट के साथ-साथ नजर आएंगी। आलिया के करियर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के साथ ही ब्रांड करार में भी बढ़त दिख रही है। क्रोल के प्रबंध निदेशक अविरल जैन कहते हैं, आलिया के ब्रांड करार में काफी तेजी दिखी है और उनका ब्रांड पोर्टफोलियो अब पिछले साल के मुकाबले काफी बड़ा हो चुका है और वह पहले के ब्रांड का भी प्रबंधन अच्छी तरह करने में सफल रही हैं। उनकी ब्रांड करार फीस में भी 20-40 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। 22 मार्च को एमकैफिनी के साथ करार करते हुए आलिया अब लगभग 25 ब्रांडों का चेहरा बन चुकी हैं जिनमें मेबेलिन, लेज और मान्यवर मोहे जैसे ब्रांड भी शामिल हैं। एमकैफिनी के सह संस्थापक और ब्रांड मार्केटिंग की प्रमुख वैशाली गुप्ता ने आलिया के साथ करार करने पर कहा, %आलिया इस पीढ़ी का बखूबी प्रतिनिधित्व करती हैं जिन्हें उन्होंने एक युवा सितारा से फोर्ब्स के 30 साल से कम उम्र के मिलेनियल आइकॉन के रूप में देखा है। वह रचनात्मक तरक्की का एक बेहतर प्रतीक हैं। पर्यावरण से जुड़ी उनकी पहल को देखते हुए वह हमारे दीर्घकालिक और स्थायी लक्ष्यों के लिए मुफीद सेलेब्रिटी हैं। आलिया के साथ साझेदारी के बारे में वेदांत फैशंस (मोहे की मूल कंपनी) के मुख्य विपणन अधिकारी ने कहा, %मोहे हमेशा हमारे समाज में प्रगतिशील महिलाओं का प्रतीक रहा है। आलिया भट्ट का मोहे के साथ जुड़ना भी इस दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। उन्हें पहले भी उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना मिल चुकी है। एक ब्रांड के तौर पर मोहे हमेशा से आधुनिक दौर की दुल्हन को उनके चयन की आजादी, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास के लिए प्रोत्साहित करता रहता है और आलिया इसके लिए सबसे बेहतर चेहरा हैं। उनकी सोशल मीडिया पर भी मौजूदगी से मार्केटिंग करने वालों को बेहतर विकल्प मिला है। इंस्टाग्राम पर उनके 6.18 करोड़ फॉलोअर जबकि ट्विटर पर 2.13 करोड़ फॉलोअर हैं। ब्रांड करार के लिहाज से मशहूर 10 सेलेब्रिटी की सूची में आलिया के अलावा अन्य बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पडुकोणे का नाम भी शामिल है जो 2020 के मुकाबले दो पायदान पीछे जाकर सातवें पायदान पर पहुंच चुकी हैं। जैन ने कहा, %आज ए-लीग में कई महिला सेलेब्रिटी का नाम शामिल नहीं है। हालांकि दीपिका पडुकोणे का प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन उनको लेकर कुछ वक्त तक थोड़े विवाद भी रहे। हालांकि आलिया के ब्रांड सफर में अब तक कोई भी विवाद नहीं हुआ है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)